कार्यक्रम दर्शिका

बी.ए. (हिंदी) ऑनर्स

बी.ए.एच.डी.एच.

विषय सूची

भाग 1 कार्यक्रम का विवरण

1. विश्वविद्यालय
2. बी.ए. (हिंदी), ऑनर्स
   - 2.1 अनिवार्य पाठ्यक्रम
   - 2.2 ऐच्छिक पाठ्यक्रम
   - 2.3 योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम
   - 2.4 कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम
   - 2.5 सामान्य ऐच्छिक
3. आपके स्नातक अध्ययन की योजना
4. फीस संरचना एवं भुगतान की अनुसूची
5. शिक्षण प्रणाली
   - 5.1 पाठ्यक्रम सामग्री
   - 5.2 परामर्श सत्र
   - 5.3 अध्ययन केन्द्र
   - 5.4 इंटेरैक्टिव रेडियो काउंसिलिंग
   - 5.5 ज्ञान दर्शन
   - 5.6 ज्ञान वाणी
   - 5.7 टेलीकॉन्फ्रेंस/एडुसैट
6. मूल्यांकन
   - 6.1 सत्रीय कार्य
   - 6.2 सत्रांत परीक्षा
7. अन्य उपयोगी जानकारी
8. कुछ उपयोगी पते

भाग 2 पाठ्यक्रम के सिलेबस

1. अनिवार्य पाठ्यक्रम
2. विषय विशिष्ट ऐच्छिक
3. योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम
5. कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम
4. सामान्य ऐच्छिक

शिक्षण के क्षेत्र में मुद्रित अध्ययन सामग्री हमारा मुख्य आधार है। हमारी अध्ययन सामग्री शिक्षार्थियों की रुचि को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा तैयार की जाती है। प्रत्येक कोर्स में पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए विशिष्ट शिक्षाविदों और पेशेवरों की एक पाठ्यक्रम विशेषज्ञ समिति होती है। पाठ्यक्रम सामग्री को इस तरह से लिखा गया है कि अध्ययन केंद्रों में हमारे शैक्षिक सलाहकारों से सहायता लेकर शिक्षार्थी स्वयं इसका अध्ययन कर सकते हैं। इसके अलावा, पाठ्य पुस्तकें और संदर्भ पुस्तकें अध्ययन केंद्रों और क्षेत्रीय केंद्रों से जुड़ी पुस्तकालयों में उपलब्ध होती हैं, इसलिए इग्नू के पाठ्यक्रमों के लिए सस्ते गाइड की आवश्यकता नहीं है। वास्तव में ये शिक्षार्थियों को नुकसान पहुँचा सकते हैं। विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों को बाजार में उपलब्ध इस प्रकार के गाइड की सहायता नहीं लेने की सलाह देता है।

जनवरी 2020

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2020

सर्वाधिकार सुरक्षित। इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से लिखित अनुमति के बिना इस कार्य का कोई भी हिस्सा किसी भी रूप में, मिमियोग्राफ या किसी अन्य माध्यम से पुनः प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में अधिक जानकारी विश्वविद्यालय के कार्यालय मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068 से प्राप्त की जा सकती है।

निदेशक, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ द्वारा इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की ओर से मुद्रित और प्रकाशित।

खंड 1

कार्यक्रम का विवरण

प्रिय शिक्षार्थी,

इग्नू से स्नातक उपाधि कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आप मुक्त एवं दूरस्थ माध्यम से शिक्षा प्रदान करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी विश्वविद्यालय में शामिल हो गए हैं अतः यह आवश्यक है कि आप विश्वविद्यालय और इसकी कार्यप्रणाली के बारे में अच्छी तरह से जान लें। जिस कार्यक्रम में आप शामिल हुए हैं उसके बारे में और विश्वविद्यालय द्वारा दिए जाने वाले निर्देश के बारे में विस्तार से जानने के लिए भी आप उत्सुक होंगे। यह कार्यक्रम निर्देशिका आपको आवश्यक जानकारी देता है जो विश्वविद्यालय को जानने और कार्यक्रम को जारी रखने में आपकी सहायता करेगा। इसलिए हमारी सलाह है कि जब तक आप कार्यक्रम को पूरा न कर लें, तब तक इस कार्यक्रम निर्देशिका को सुरक्षित रखें।

कार्यक्रम निर्देशिका का दूसरा भाग इस कार्यक्रम में शामिल सभी कोर्स के पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी देता है। यह आपको अन्य बातों के अलावा, विषय विशिष्ट ऐच्छिक, सामान्य ऐच्छिक और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों में आपकी रुचि, आवश्यकता और कैरियर के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगा।

कार्यक्रम समन्वयक,
बी.ए. (हिंदी) ऑनर्स,

1. विश्वविद्यालय

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। यह 1985 में संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है, जिसका उद्देश्य सूचना संचार प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न माध्यमों से सीखने और ज्ञान को आगे बढ़ाना और प्रचारित करना है। इसका उद्देश्य जनसंख्या के एक बड़े हिस्से को उच्च शिक्षा के लिए अवसर प्रदान करना है और बड़े समाज की शैक्षिक भलाई को बढ़ावा देना है।

विश्वविद्यालय ने समावेशी शिक्षा के माध्यम से एक शिक्षित समाज बनाने के लिए लगातार प्रयास किया है। इसने मुक्त और दूरस्थ शिक्षण (ओडीएल) के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण की पेशकश करके उच्च शिक्षा प्रदान की है।

अपेक्षाकृत काफी कम समय में इग्नू ने उच्च शिक्षा, सामुदायिक शिक्षा, विस्तार गतिविधियों और निरंतर व्यावसायिक विकास के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दूरस्थ शिक्षा में एक विश्व नेता के रूप में, इसे राष्ट्रमंडल शिक्षा (सीओएल), कनाडा द्वारा उत्कृष्टता के पुरस्कार से कई बार सम्मानित किया गया है।

इग्नू अपने 21 विद्यापीठ और 67 क्षेत्रीय केंद्रों (भारतीय सेना, नौसेना और असम राइफल्स के लिए 11 मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्रों सहित) और 3500 सक्रिय अध्ययन केंद्रों (ओएससी) के नेटवर्क के माध्यम से अपना शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है। विश्वविद्यालय का विदेश में 12 अध्ययन केंद्रों का नेटवर्क भी है।

अध्ययन के 21 विद्यापीठ जो विभिन्न स्तरों पर शैक्षणिक कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों का डिजाइन और विकास करते हैं :

- कृषि विद्यापीठ (एसओए)
- कंप्यूटर और सूचना विज्ञान विद्यापीठ (एसओसीआईएस)
- सतत शिक्षा विद्यापीठ (एसओसीई)
- शिक्षा विद्यापीठ (एसओई)
- अभियंत्रण एवं तकनीक विद्यापीठ (एसओईटी)
- विस्तार एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ (एसओईडीएस)
- विदेशी भाषा विद्यापीठ (एसओएफएल)
- जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ (एसओजीडीएस)
- स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एसओएचएस)
- मानविकी विद्यापीठ (एसओएच)
- अंतर–अनुषासिक एवं परा विषयक अध्ययन विद्यापीठ (एसओआईटीएस)
- पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया अध्ययन विद्यापीठ (एसओजेएनएमएस)
- विधि विद्यापीठ (एसओएल)
- प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ (एसओएमएस)
- प्रदर्शन और दृश्य कला विद्यापीठ (एसओपीवीए)
- विज्ञान विद्यापीठ (एसओएस)

- सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एसओएससस)
- सामाजिक कार्य विद्यापीठ (एसओएसडब्ल्यु)
- पर्यटन और आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ (एसओटीएचएसएम)
- अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ (एसओटीएसटी)
- व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ (एसओवीईटी)

वर्तमान में, इग्नू अपने स्कूल ऑफ स्टडीज के माध्यम से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर डिग्री, मास्टर डिग्री और डॉक्टोरल डिग्री के स्तर पर दो सौ अकादमिक, व्यावसायिक, पेशेवर, जागरूकता पैदा करने और कौशल–उन्मुख कार्यक्रमों उपलब्ध करा रहा है।

विश्वविद्यालय बहु–चैनल, निर्देश और स्व–शिक्षण के लिए बहु–मीडिया पैकेज प्रदान करता है। शिक्षण/अध्ययन के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न घटकों में स्वयं शिक्षण के प्रिंट और ऑडियो–वीडियो सामग्री, रेडियो और टेलीविजन प्रसारण, आमने–सामने काउंसिलिंग/टयूटोरिंग, प्रयोगशाला का अनुभव, टेलीकॉन्फ्रेंसिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंस, इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया सीडी, इंटरनेट आधारित शिक्षा, फोन पर उपयोग होने वाले संदेश और ई–सामग्री शामिल हैं।

वर्तमान में, विश्वविद्यालय द्वारा एक इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया समर्थित ऑनलाइन शिक्षण विकसित करने के साथ–साथ पारंपरिक दूरस्थ शिक्षा के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी–सक्षम शिक्षा के साथ मिश्रित शिक्षा के ढाँचे के भीतर मूल्य जोड़ने पर बल दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय की नई पहलों में शामिल हैं– स्वयं (एसडब्ल्यूएवाईएएम) आधारित बड़े पैमाने पर मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी), शोध गंगा (यूजीसी प्रोजेक्ट) 247 स्वयंप्रभा, राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (एमएचआरडी प्रोजेक्ट), डिजिटल अध्ययन सामग्री के लिए ई–ज्ञानकोश और इग्नू ई–सामग्री ऐप्प।

2. बी.ए. (हिंदी) ऑनर्स

जनवरी, 2020 शैक्षणिक सत्र के साथ, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने स्नातक स्तर पर चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली को अपनाया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा शुरू की गई चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली छात्रों को उनकी आवश्यकताओं और रुचियों के आधार पर उनकी पसंद के उपखंडों/पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है।

हालाँकि इग्नू क्रेडिट आधारित शैक्षणिक कार्यक्रमों को व्यापक रूप से पाठ्यक्रमों के साथ प्रस्तुत करने में सर्वप्रथम रहा है। अब यह सेमेस्टर प्रणाली और ग्रेड के आधार पर मूल्यांकन प्रणाली भी अपना रहा है।

बी.ए. (हिंदी) ऑनर्स कार्यक्रम एक व्यापक कार्यक्रम है। इसका कोड बी.ए.एच.डी.एच (BAHDH) है। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यापीठों से अध्ययन के कई विषय और पाठ्यक्रम शामिल हैं। निम्नलिखित विषय इस कार्यक्रम के अध्ययन क्षेत्र में शामिल हैं :

1) मानव विज्ञान
2) हिंदी
3) मनोविज्ञान
4) समाजशास्त्र
5) जेंडर अध्ययन

बी.ए. हिंदी ऑनर्स निम्नलिखित श्रेणियों से निर्मित 148 क्रेडिट वाला कार्यक्रम है :

i) अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)
ii) विषय विशिष्ट ऐच्छिक (Discipline specific elective course)
iii) योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (Ability enhancement compulsory course)
iv) कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (Skill enhancement course)
v) सामान्य ऐच्छिक (Generic elective course)

कार्यक्रम को तीन साल (छह सेमेस्टर) की न्यूनतम अवधि में या छह साल की अधिकतम अवधि में प्रत्येक श्रेणी के तहत आवश्यक संख्या में क्रेडिट अर्जित करके पूरा किया जा सकता है। प्रत्येक श्रेणी के तहत क्रेडिट की आवश्यक संख्या इस प्रकार है : अनिवार्य पाठ्यक्रम के 84 क्रेडिट, विषय विशिष्ट ऐच्छिक के 24 क्रेडिट, योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम के 8 क्रेडिट, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम के 8 क्रेडिट और सामान्य ऐच्छिक के 24 क्रेडिट। बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम कुल मिलाकर 148 क्रेडिट का है।

एक क्रेडिट 30 घंटे के अध्ययन के समय के समतुल्य है, जिसमें शिक्षण की सारी गतिविधियाँ शामिल हैं (यानी प्रिंट सामग्री को पढ़ना और समझना, ऑडियो सुनना, वीडियो देखना, परामर्श सत्र में भाग लेना, टेलीकॉन्फ्रेंसिंग और सत्रीय कार्य लिखना)। इस कार्यक्रम के अधिकांश पाठ्यक्रम (सीसी, डीएसई और जीई) छह क्रेडिट के हैं। इसका मतलब है कि आपको इनमें से प्रत्येक पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए 180 घंटे का समय अध्ययन में लगाना होगा। कार्यक्रम में योग्यता और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम भी हैं, जिनमें से प्रत्येक चार क्रेडिट यानि 120 घंटे (480) अध्ययन समय के हैं। छह सेमेस्टर वाले कार्यक्रम के प्रत्येक सेमेस्टर में विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों का मिश्रण है। इस छह सेमेस्टर के कार्यक्रम में अनेक तरह के पाठ्यक्रमों का अध्ययन कराया जाएगा। तालिका 1.1 में कार्यक्रम के छह सेमेस्टर में विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों के विवरणों को दर्शाया है :

तालिका 1.1

सेमेस्टर	अनिवार्य पाठ्यक्रम (सीसी) (6 क्रेडिट)	विषय विनिर्दिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) (6 क्रेडिट)	योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसीसी) (4 क्रेडिट)	कौशल संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एसईसी) (4 क्रेडिट.)	जेनेरिक ऐच्छिक (जीई) (6 के.)	कुल क्रेडिट प्रति सेमेस्टर
I	अनिवार्य पाठ्यक्रम 1 अनिवार्य पाठ्यक्रम 2		बीईवीएई 181		बीएसओजी 171	22 क्रेडिट
II	अनिवार्य पाठ्यक्रम 3 अनिवार्य पाठ्यक्रम 4		बीएचडीएई 182		बीएसओजी 172	22 क्रेडिट
III	अनिवार्य पाठ्यक्रम 5 अनिवार्य पाठ्यक्रम 6 अनिवार्य पाठ्यक्रम 7			बीएएनएस 183	बीएसओजी 173	28 क्रेडिट
IV	अनिवार्य पाठ्यक्रम 8 अनिवार्य पाठ्यक्रम 9 अनिवार्य पाठ्यक्रम 10			बीपीसीएस 186	बीपीसीजी 174	28 क्रेडिट
V	अनिवार्य पाठ्यक्रम 11 अनिवार्य पाठ्यक्रम 12	विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम 1 विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम 2				24 क्रेडिट
VI	अनिवार्य पाठ्यक्रम 13 अनिवार्य पाठ्यक्रम 14	विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम 4 विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम 5				24 क्रेडिट
कुल	**84 क्रेडिट**	**24 क्रेडिट**	**8 क्रेडिट**	**8 क्रेडिट**	**24 क्रेडिट**	**148 क्रेडिट**

2.1 अनिवार्य पाठ्यक्रम (CC) : इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य हिंदी भाषा और साहित्य की मजबूत आधार का निर्माण करना है। ये पाठ्यक्रम कार्यक्रम के छह सेमेस्टरों में विभाजित किए गए हैं। वे आपको भाषा और साहित्य से परिचित कराते हुए हिंदी साहित्य के क्षेत्र में एक मजबूत आधार बनाने में सहायक है। प्रत्येक अनिवार्य पाठ्यक्रम छह क्रेडिट का है।

2.2 विषय विशिष्ट वैकल्पिक पाठ्यक्रम (DSE) का आप कार्यक्रम के तृतीय वर्ष के पाँचवें और छठे सेमेस्टर में अध्ययन करेंगे। यह छह क्रेडिट पाठ्यक्रम प्रकृति में अंतर–विषयक हैं। विषय विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) पाठ्यक्रम में तीन विषय के विस्तृत तथा गहन अध्ययन पर आधारित है। पाँचवें में तथा छठे सेमेस्टर में तीन विषय विशिष्ट पाठ्यक्रमों में से आपको कोई दो–दो पाठ्यक्रम चुनने हैं।

2.3 प्रत्येक योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (AECC) चार क्रेडिट के हैं। जैसा कि नाम से पता चलता है, योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी) सभी शिक्षार्थियों के लिए अनिवार्य है। बी.ए. (हिंदी) ऑनर्स कार्यक्रम में कुल दो एईसीसी प्रस्तावित हैं। पहले सेमेस्टर में एक और दूसरे सेमेस्टर में एक। पहला एईसीसी एक जागरूकता पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य शिक्षार्थियों को पर्यावरणीय मुद्दों से रूबरू कराना और स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए उनकी नीतियों और प्रथाओं से परिचित कराना है। दूसरे सेमेस्टर में उपलब्ध अन्य योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी) BHDAE 182 –**हिंदी भाषा और संप्रेषण** है। ये पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को संचार के सिद्धांत, बुनियादी बातों और उपकरणों से परिचित कराते हैं और उनमें व्यक्तिगत, सामाजिक और व्यावसायिक बातचीत के लिए महत्वपूर्ण संचार कौशल विकसित करते हैं।

2.4 कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) भी क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम है जो दैनिक जीवन के क्षेत्र में निर्धारित विशिष्ट कौशल का निर्माण करते हैं। इन्हें तीसरे और चौथे सेमेस्टर में लिया जा सकता है। कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट के हैं।

2.5 सामान्य ऐच्छिक (GE) : सामान्य ऐच्छिक (जीई) अन्य प्रकार के ऐच्छिक हैं जो कार्यक्रम के पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे सेमेस्टर में उपलब्ध होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रकृति में अंतर–अनुशासनात्मक है। पहले चार सेमेस्टर (4 पाठ्यक्रम × 6 क्रेडिट) में से प्रत्येक में एक पाठ्यक्रम के साथ, सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तावित है। पहले तथा दूसरे सेमेस्टर में 22 क्रेडिट के अंतर्गत तथा तीसरे एवं चौथे सेमेस्टर के अंतर्गत 28 क्रेडिट के लिए उपलब्ध कराया गया है। इनके अंतर्गत आप समाजशास्त्र तथा मनोविज्ञान विषय के विशिष्ट पाठ्यक्रमों का अध्ययन करेंगे।

बी.ए. (हिंदी) ऑनर्स कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रमों की विषयवार सूची

सेमेस्टर	अनिवार्य पाठ्यक्रम (सीसी) (6 क्रेडिट)	विषय विनिर्दिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) (6 क्रेडिट)	योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसीसी) (4 क्रेडिट)	कौशल संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एसईसी) (4 क्रेडिट)	जेनेरिक ऐच्छिक (जीई) (6 क्रेडिट)	कुल क्रेडिट प्रति सेमेस्टर
I	बीएचडीसी 101 बीएचडीसी 102		बीईवीएई 181		बीएसओजी 171	22 क्रेडिट
II	बीएचडीसी 103 बीएचडीसी 104		बीएचडीएई 182		बीजीडीजी 172	22 क्रेडिट
III	बीएचडीसी 105 बीएचडीसी 106 बीएचडीसी 107			बीएएनएस 183	बीएसओजी 173	28 क्रेडिट
IV	बीएचडीसी 108 बीएचडीसी 109 बीएचडीसी 110			बीपीसीएस 186	बीपीसीजी 174	28 क्रेडिट
V	बीएचडीसी 111 बीएचडीसी 112	बीएचडीई 141 बीएचडीई 143				24 क्रेडिट
VI	बीएचडीसी 113 बीएचडीसी 114	बीएचडीई 142 बीएचडीई 144				24 क्रेडिट
कुल	**84 क्रेडिट**	**24 क्रेडिट**	**8 क्रेडिट**	**8 क्रेडिट**	**24 क्रेडिट**	**148 क्रेडिट**

3. आपके स्नातक अध्ययन की योजना

बी.ए. (हिंदी) ऑनस कार्यक्रम पाठ्यक्रमों को पूर्ण करने के लिए पाठ्यक्रम और अवधि में लचीलापन और खुलापन प्रदान करता है। आपको इस लचीलेपन का पूरा फायदा उठाना चाहिए। तीन साल की न्यूनतम अवधि के भीतर इस कार्यक्रम के सभी 148 क्रेडिट को पूरा करने के अपने लक्ष्य को पाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है। यदि किसी भी कारण से आप तीन वर्षों के भीतर कार्यक्रम को पूरा करने में असमर्थ हैं, तो कृपया ध्यान दें कि कार्यक्रम के लिए आपका पंजीकरण छह साल के लिए वैध है और आप पुनः दाखिले के लिए आवेदन करके अतिरिक्त दो वर्ष प्राप्त कर सकते हैं।

जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है इस कार्यक्रम का प्रत्येक क्रेडिट 30 घंटे के अध्ययन के बराबर है, जिसमें सभी शिक्षण गतिविधियाँ शामिल हैं (जैसे–मुद्रित अध्ययन सामग्री को पढ़ना और समझना, ऑडियो सुनना, वीडियो देखना, परामर्श सत्र में भाग लेना, टेलीकांफ्रेंसिंग और सत्रीय कार्य लिखना)। इसका मतलब है कि आपको छह–क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए लगभग 180 घंटे और चार क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 120 घंटे

अध्ययन करना होगा। आपको इस कार्यभार को ध्यान में रखते हुए अपने अध्ययन का समय तय करना होगा। इसका मतलब है कि आपको साल में कम से कम 300 दिन प्रतिदिन लगभग साढ़े चार घंटे अध्ययन करना होगा।

यदि आप अपने आप को इस कार्यक्रम में पूरी तरह से समर्पित नहीं कर पा रहे हैं, तो आपको एक विशेष सेमेस्टर/वर्ष के लिए अपने लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। यदि आपको लगता है कि एक वर्ष के 44/56 या 48 क्रेडिट के बजाए, आप एक वर्ष में केवल 30 क्रेडिट का अध्ययन ही करना चाहते हैं तो वर्ष की शुरूआत से उसके अनुसार योजना बनाएँ। केवल चयनित पाठ्यक्रमों का अध्ययन करें। केवल उन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करें जिनके लिए आप सत्रांत परीक्षा (टीईई) में शामिल होना चाहते हैं। बाकी को अगले साल के लिए रखें। अगले वर्ष फिर से, उस वर्ष के दो सेमेस्टर के लिए अपने लक्ष्य तय करें। जब भी आप पिछले सेमेस्टर/वर्ष के पाठ्यक्रम को पूरा करने का निर्णय लेते हैं और मूल्यांकन के लिए सत्रीय कार्य नहीं जमा करते हैं तो सुनिश्चित करें कि आप उस पाठ्यक्रम के लिए वर्तमान वर्ष का सत्रीय कार्य करते हैं और उन्हें सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए निर्धारित अनुसूची के अनुसार जमा करते हैं। एक उचित योजना के माध्यम से आप अपनी सुविधा के अनुसार इस कार्यक्रम को पूरा कर सकते हैं।

4. फीस की संरचना और भुगतान की अनुसूची

फीस की संरचना :

हिंदी स्नातक (ऑनर्स) कार्यक्रम के लिए प्रति वर्ष 3200/–रु. की दर से कुल 9600/– रु. की फीस है। पहले वर्ष में 3200/–रु. के साथ पंजीकरण शुल्क के रूप में 200/–. का भी भुगतान करना होता है।

कार्यक्रम शुल्क का भुगतान केवल ऑनलाइन मोड से डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया जाना चाहिए। एक बार भुगतान किया गया शुल्क वापस नहीं किया जाता है।

विश्वविद्यालय कार्यक्रम शुल्क को संशोधित कर सकता है। उस स्थिति में, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित भुगतान के कार्यक्रम के अनुसार संशोधित शुल्क आपके द्वारा देय होगा।

हालाँकि बी.ए. (हिंदी) ऑनर्स कार्यक्रम एक सेमेस्टर आधारित कार्यक्रम है, लेकिन पंजीकरण वार्षिक रूप से किया जाता है। जैसे आपने कार्यक्रम की शुरूआत में पहले दो सेमेस्टर के लिए पंजीकरण किया है। आपको शैक्षणिक वर्ष की शुरूआत में दूसरे वर्ष (तीसरे और चौथे सेमेस्टर) और तीसरे वर्ष (चौथे और पांचवें सेमेस्टर) के लिए नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार फिर से पंजीकरण कराना होगा।

पुनः पंजीकरण के लिए अनुसूची

शिक्षार्थियों को समय–समय पर विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार वेब पोर्टल www.ignou.ac.in पर केवल ऑनलाइन माध्यम से पुनः पंजीकरण (आरआर) फॉर्म जमा करने की सलाह दी जाती है। कार्यक्रम शुल्क का भुगतान प्रत्येक वर्ष की शुरूआत में केवल डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/नेट बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन मोड द्वारा किया जाना है।

कार्यक्रम की फीस का समय पर भुगतान शिक्षार्थी की जिम्मेदारी है। शिक्षार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना जितनी जल्दी हो सके फीस जमा कर दें। फीस का भुगतान न करने पर अध्ययन सामग्री नहीं मिलेगी और परीक्षा में बैठने की अनुमति भी नहीं दी जाएगी। इसके परिणामस्वरूप

प्रवेश रद्द भी हो सकता है। यदि कोई शिक्षार्थी किसी पाठ्यक्रम के लिए उचित पंजीकरण के बिना जानबूझकर परीक्षा में बैठता है तो विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

5. शिक्षण प्रणाली

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई गई शिक्षा पद्धति पारंपरिक विश्वविद्यालयों से भिन्न है। मुक्त विश्वविद्यालय प्रणाली अधिक शिक्षाप्रद है जिसमें शिक्षार्थी पढ़ने–सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भागीदार होते हैं। अधिकांश निर्देश आमने–सामने संचार के बजाय दूरस्थ माध्यम से दिए जाते हैं।

विश्वविद्यालय, अध्ययन के लिए एक मल्टी–मीडिया दृष्टिकोण का अनुसरण करता है। इसमें शामिल हैं :

- स्व–शिक्षण सामग्री
- रेडियो और टीवी से प्रसारित ऑडियो–वीडियो कार्यक्रम
- टेलीकॉन्फ्रेंसिंग सत्र
- अध्ययन केंद्रों पर शैक्षिक परामर्शदाता के साथ आमने सामने परामर्श सत्र
- सत्रीय कार्य

5.1 अध्ययन सामग्री

पाठ्यक्रम सामग्री, मुद्रित या ईबुक के प्रारूप में, निर्देश का प्राथमिक रूप है। आपको मुख्य रूप से पाठ्यक्रम सामग्री पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो आपको पुस्तकों या ईबुक के रूप में भेजी जाती है। पाठयक्रम सामग्री सत्रीय कार्य को हल करने और सत्रांत परीक्षा (टीईई) के लिए तैयारी करने के लिए पर्याप्त होती है। हालाँकि हम आपको अतिरिक्त सामग्री, विशेष रूप से उन पुस्तकों को पढ़ने का सुझाव देते हैं जो पाठ्यक्रम सामग्री में दिए गए विषय के गहन अध्ययन से संबद्ध होती है।

विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई सामग्री की प्रकृति स्व–शिक्षणात्मक है। प्रत्येक पाठ्यक्रम एक ही पुस्तक या ईबुक के रूप में मुद्रित किया जाता है। पाठ्यक्रम को कई खंडों में विभाजित किया जाता है। एक छह क्रेडिट पाठ्यक्रम में आमतौर पर चार से पाँच खंड होते हैं। प्रत्येक खंड में इकाइयाँ होती हैं। (न्यूनतम दो से अधिकतम पाँच इकाइयाँ)। आम तौर पर एक खंड में शामिल इकाइयों में एक विषयगत एकात्मता होती है। पुस्तक का परिचय खंड, पाठ्यक्रम, उसके उद्देश्यों, सामग्री का अध्ययन करने के लिए दिशा–निर्देश के रूप में होता है। खंड परिचय, खंड के साथ–साथ उस खंड की प्रत्येक इकाई के मुख्य बिंदुओं के बारे में बताता है।

प्रत्येक इकाई का निर्माण स्व–अध्ययन की सुविधा को ध्यान में रखकर किया गया है। प्रत्येक इकाई का उद्देश्य सीखने के उद्देश्य से शुरू होता है जिसकी आपको इकाई से सीखने की अपेक्षा की जाती है। प्रस्तावना में इकाई के प्रमुख विषय की जानकारी दी जाती है। इसके बाद मुख्य पाठ होता है, जिसे विभिन्न खंडों और उपखंडों में विभाजित किया जाता है। प्रत्येक खंड के अंत में हमने बोध प्रश्न शीर्षक के तहत स्व–मूल्यांकन के लिए प्रश्न प्रदान किए हैं। आपको इस भाग का भली–भाँति उपयोग करने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि यह आपका आकलन करने में मदद करेगा और आपकी विषय संबंध समझ की जाँच करेगा। बोध प्रश्न के प्रश्न केवल आपके अभ्यास के लिए हैं, मूल्यांकन के लिए इन प्रश्नों के उत्तर विश्वविद्यालय को प्रस्तुत नहीं करने चाहिए। इकाई के अंत में 'बोध प्रश्न' के अभ्यास के संकेत दिए गए हैं।

हमने कई स्थानों पर पूरे उत्तर प्रदान नहीं किए हैं, क्योंकि हम आपको अपने शब्दों में लिखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं।

अनुभाग 'सारांश' इकाई में की गई चर्चा का एक संक्षिप्त विवरण देता है। यह सारांश आपको इकाई में शामिल मुख्य बिंदुओं को याद करने में मददगार होता है। प्रत्येक इकाई संदर्भ के साथ समाप्त होती है जो उन पुस्तकों और लेखों की सूची देती है इकाई तैयार करने में जिनसे मदद ली गई है। इसके अलावा, प्रत्येक खंड/पाठ्यक्रम में उपयोगी पुस्तकों की एक सूची दी जाती है। इस खंड में सूचीबद्ध कुछ पुस्तकें अध्ययन केंद्र के पुस्तकालय में भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

स्वशिक्षण सामग्री को समझने के लिए, इकाइयों को ध्यान से पढ़ें और महत्वपूर्ण बिंदुओं को नोट करें। आप नोट बनाने और अपनी टिप्पणी लिखने के लिए मुद्रित पृष्ठों के मार्जिन में दिए स्थान का उपयोग कर सकते हैं। इकाइयों को पढ़ते समय, आप कठिन शब्दों को चिन्हित कर सकते हैं और शब्दकोश से ऐसे शब्दों के अर्थ समझ सकते हैं। यदि आपको तब भी कुछ समझ में नहीं आता, तो स्पष्टीकरण के लिए अध्ययन केंद्र में परामर्श सत्र के दौरान अपने परामर्शदाता से परामर्श करें।

अध्ययन सामग्री का प्रेषण

पंजीकरण की ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी होते ही सामग्री का प्रेषण शुरू हो जाता है। आप कार्यक्रम के लिए पंजीकरण के समापन के एक महीने के भीतर अपनी अध्ययन सामग्री प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। यदि कोई पाठ्यक्रम सामग्री खो गई है या आप गलत या दोषपूर्ण सामग्री प्राप्त करते हैं, तो कृपया क्षेत्रीय केंद्र को इस बारे में बताएँ या ssc@ignou.ac.in पर छात्र सेवा केंद्र को लिखें।

जिन छात्रों ने डिजीटल संस्करण के लिए आवेदन किया है, उनके लिए विस्तृत जानकारी इग्नू की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

5.2 शैक्षणिक परामर्श

दूरस्थ शिक्षा में, शिक्षार्थियों और उनके परामर्शदाताओं के बीच आमने–सामने का संपर्क एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। इस तरह की बातचीत का उद्देश्य आपके कुछ सवालों का जवाब देना और अपनी शंकाओं को स्पष्ट करना है, जो संचार के किसी अन्य माध्यम से संभव नहीं हो सकता। इसका उद्देश्य आपको साथी शिक्षार्थियों से मिलने का अवसर प्रदान कराना भी है। अध्ययन के लिए आपके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रमों में अकादमिक परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए अध्ययन केंद्रों में अनुभवी शैक्षणिक परामर्शदाता होते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए शैक्षणिक परामर्श सत्र पूरे शैक्षिक सत्र में उपयुक्त अंतराल पर आयोजित किए जाएँगे। सैद्धांतिक पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षणिक परामर्श सत्रों में उपस्थिति अनिवार्य नहीं है, लेकिन हम आपको इन सत्रों में भाग लेने का सुझाव देंगे क्योंकि वे कुछ मामलों में उपयोगी हो सकते हैं जैसे कि शिक्षकों और साथी शिक्षार्थियों के साथ विषय पर अपने विचार साझा करना, कुछ जटिल विचार या कठिन मुद्दों को समझना और किसी भी संदेह के लिए स्पष्टीकरण प्राप्त करना। आपके अध्ययन केंद्र में आमने–सामने परामर्श प्रदान किया जाएगा। आपको ध्यान देना चाहिए कि शैक्षणिक परामर्श सत्र सामान्य कक्षा के अध्यापन या व्याख्यानों से बहुत अलग होगा। शैक्षणिक परामर्शदाता व्याख्यान या भाषण नहीं देंगे। वे कठिनाइयों को दूर करने में आपकी मदद करने की कोशिश करेंगे, जिसका आप इस कार्यक्रम के लिए अध्ययन करते समय सामना करते हैं। इन सत्रों में, आपको विषय–आधारित कठिनाइयों और ऐसी कठिनाइयों से उत्पन्न होने वाले किसी भी अन्य मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा, उस समय उपलब्ध कुछ ऑडियो और वीडियो सामग्री परामर्श सत्रों में चलाई जाएँगी। विश्वविद्यालय सामान्यतः चार

क्रेडिट के लिए छह से सात शैक्षणिक परामर्श सत्र आयोजित करता है और छह क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए नौ से दस सत्र आयोजित करता है। यदि किसी अध्ययन केंद्र में 10 से कम छात्र हैं, तो गहन परामश सत्र आयोजित किए जाएँगे, जिसका मतलब है कि निर्धारित परामर्श सत्रों का 40 प्रतिशत एक सप्ताह के भीतर आयोजित किया जाएगा।

अकादमिक परामर्श सत्र में भाग लेने से पहले आप कृपया अपनी पाठ्यक्रम सामग्री का अध्ययन करें और जिन बिंदुओं पर चर्चा करनी हो उन्हें लिखकर रखें। जब तक आप इकाइयों को नहीं पढ़ेंगे, तब तक आप चर्चा करने के लिए तैयार नहीं हो सकते। प्रासंगिक और महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करें। एक दूसरे के दृष्टिकोण को समझने की भी कोशिश करें। शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए पारस्परिक सहायता प्राप्त करने के लिए आप अपने साथ के शिक्षार्थियों के साथ व्यक्तिगत संपर्क भी स्थापित कर सकते हैं। अपने शैक्षणिक परामर्शदाताओं से अधिकतम संभव सहायता प्राप्त करने का प्रयास करें।

5.3 अध्ययन केंद्र

छात्रों को प्रभावी सहायता प्रदान करने के लिए हमने पूरे देश में कई अध्ययन केंद्र स्थापित किए हैं। आपको इनमें से एक अध्ययन केंद्र आबंटित किया जाएगा जो आपके निवास स्थान या कार्य स्थल को ध्यान में रखकर किया जाता है। हालाँकि, प्रत्येक अध्ययन केंद्र केवल सीमित संख्या में छात्रों को संभाल सकता है और हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, यह हमेशा संभव नहीं हो सकता कि आपको अपनी पसंद का अध्ययन केंद्र आबंटित हो सके। आपको आबंटित अध्ययन केंद्र के बारे में बता दिया जाएगा।

हर अध्ययन केंद्र में होगा :

- एक समन्वयक जो केंद्र की सारी गतिविधियों का समन्वय करेगा।
- अंशकालिक आधार पर नियुक्त एक सहायक समन्वयक और अन्य सहायक कर्मचारी।
- आपके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रमों में आपको परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक परामर्शदाता।

अध्ययन केंद्र में छह प्रमुख कार्य होंगे :

सत्रीय कार्य का मूल्यांकन : अध्ययन केंद्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए नियुक्त किए गए शैक्षणिक परामर्शदाताओं के द्वारा सत्रीय कार्य (टीएमए) का मूल्यांकन किया जाएगा। ये सत्रीय कार्य आपको परामर्शदाता की टिप्पणियों और प्राप्त अंकों के साथ वापस कर दिए जाएँगे। ये टिप्पणियाँ आपकी पढ़ाई में मदद करेंगी।

पुस्तकालय : प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए, 'उपयोगी पुस्तकें' के तहत सुझाई गई कुछ किताबें अध्ययन केंद्र के पुस्तकालय में उपलब्ध होंगी। पुस्तकालय में सभी ऑडियो और वीडियो टेप भी उपलब्ध होती हैं।

सूचना और सलाह : अध्ययन केंद्र में आपको विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों, शैक्षणिक परामर्श कार्यक्रम, परीक्षा कार्यक्रम आदि के बारे में प्रासंगिक जानकारी मिलेगी। आपको अपने वैकल्पिक और आवेदन उन्मुख पाठ्यक्रमों को चुनने में भी मार्गदर्शन मिलेगा।

ऑडियो–वीडियो कार्यक्रम : अनुपूरक अध्ययन सामग्री के रूप में विश्वविद्यालय ऑडियो और वीडियो कार्यक्रम तैयार करता है। इनको सुनने और देखने–सुनने से आपका ज्ञान क्षितिज विस्तृत होगा। अध्ययन

केंद्र आपको विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए तैयार किए गए ऑडियो और वीडियो सामग्रियों का उपयोग करने में सहायता प्रदान करने के लिए ऑडियो–वीडियो सुविधाओं से सुसज्जित होता है। प्रत्येक कार्यक्रम की सामग्री का वर्णन करते हुए मीडिया नोट्स भी अध्ययन केंद्र पर उपलब्ध होंगे। इससे आपको प्रत्येक कार्यक्रम की सामग्री को जानने में मदद मिलेगी।

साथी शिक्षार्थियों के साथ बातचीत : अध्ययन केंद्र आपको साथी शिक्षार्थियों के साथ बातचीत करने का अवसर देता है। अध्ययन केंद्र आपके लिए एक संपर्क केंद्र भी है। विश्वविद्यालय व्यक्तिगत रूप से सभी छात्रों को सभी जानकारी नहीं भेजा सकता है। सभी महत्वपूर्ण जानकारी अध्ययन केंद्रों के और क्षेत्रीय निदेशकों समन्वयक को सूचित की जाती है। समन्वयक सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं को शिक्षार्थियों के लाभ के लिए अध्ययन केंद्र के नोटिस बोर्ड पर लगाएँगे। इसलिए, आपको सत्रांत कार्यों के बारे में दिन–प्रतिदिन की जानकारी, परीक्षा फॉर्म जमा करने, सत्रांत परीक्षा की डेट–शीट, परिणाम की घोषणा आदि के लिए आपने अध्ययन केंद्र के संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है।

5.4 रेडियो के माध्यम से परामर्श

विश्वविद्यालय में पूरे भारत में ऑल इंडिया रेडियो नेटवर्क के माध्यम से इंटरैक्टिव काउंसिलिंग की सुविधा है। आप अपने क्षेत्र के रेडियो स्टेशन में ट्यूनिंग करके इसमें भाग ले सकते हैं। इस परामर्श के लिए विभिन्न विषय क्षेत्रों के विशेषज्ञ उपलब्ध होते हैं। छात्र टेलीफोन का उपयोग करके इन विशेषज्ञों के समक्ष अपने प्रश्न रख सकते हैं। टेलीफोन नंबरों की घोषणा संबंधित रेडियो स्टेशनों द्वारा की जाती है। यह परामर्श सप्ताह के सभी दिन उपलब्ध रहते हैं। इंटरैक्टिव रेडियो कार्यक्रम (आई आर सी) के प्रत्येक सत्र का केंद्रित विषय विश्वविद्यालय की वेबसाइट के ज्ञानवाणी अनुभाग में उपलब्ध होगा।

5.5 ज्ञान दर्शन

दूरदर्शन के सहयोग से इग्नू के पास अब ज्ञान दर्शन नामक एक विशेष शैक्षणिक टीवी चैनल है। यह केवल टीवी नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध है। चैनल हर दिन 24 घंटे शैक्षणिक कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। सीधा (लाइव) प्रसारण दोपहर में 3 से 5 बजे तक होता है और रात में 8 से 10 बजे तक इसका पुनः प्रसारण किया जाता है। इग्नू के कार्यक्रमों के अलावा, इसमें विभिन्न राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों द्वारा निर्मित शैक्षणिक कार्यक्रम होते हैं। आपको अपने केवल ऑपरेटर के माध्यम से इस तक पहुँचने की कोशिश करनी चाहिए। कार्यक्रमों और लाइव सत्रों की अनुसूची अध्ययन केंद्रों पर एक महीने पहले उपलब्ध होती है। आप विश्वविद्यालय की वेबसाइट से कार्यक्रमों और लाइव सत्रों की अनुसूची भी प्राप्त कर सकते हैं।

वर्तमान में, ज्ञानदर्शन चैनल निम्नलिखित डीटीएच प्लेटफार्मों पर उपलब्ध है :

क्रमांक	डीटीएच प्लेटफॉम	टीवी चैनल नंबर
1.	एअरटेल	442
2.	टाटा स्काई	755
3.	सन डाइरेक्ट	596
4.	डेन	526
5.	इन डिजिटल	297
6.	हैथवे	473
7.	इनडिपेंडेंट टीवी	566

5.6 ज्ञान वाणी

ज्ञान वाणी एक शैक्षणिक एफएम रेडियो नेटवर्क है जो प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा, वयस्क शिक्षा, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा, उच्च शिक्षा और विस्तार शिक्षा सहित शिक्षा के विभिन्न पहलुओं और सतरों को कवर करने वाले कार्यक्रम प्रदान करता है। स्नातक कला के विभिन्न पहलुओं और पाठ्यक्रमों पर कार्यक्रम होते हैं। कार्यक्रमों की अनुसूची विश्वविद्यायल के वेबसाइट पर अपलोड की जाती है।

5.7 टेलीकॉन्फ्रेंस / एडुसैट

देश के विभिन्न हिस्सों में फैले हमारे शिक्षार्थियों तक पहुँचने के लिए हम टेलीकॉन्फ्रेंसिंग की मदद लेते हैं। ये सत्र दिल्ली से संचालित किए जाते हैं। छात्र इग्नू के क्षेत्रीय केंद्रों और निर्दिष्ट अध्ययन केंद्रों में उपस्थित हो सकते हैं। इसमें एक तरफा वीडियो और दो तरफा ऑडियो सुविधा है। टेलीकॉन्फ्रेंसिंग ज्ञान दर्शन–2 और एडुसैट पर उपलब्ध है। दिल्ली के संकाय सदस्य और अन्य विषय विशेषज्ञ इन सत्रों में भाग लेते हैं। आप अपनी समस्याओं और प्रश्नों को उपलब्ध केंद्रों पर उपलब्ध टेलीफोन के माध्यम से इन विशेषज्ञों के सामने रख सकते हैं। ये स्नातक कला कार्यक्रम के पाठ्यक्रम से संबंधित आपके सामान्य प्रश्नों और अन्य सामान्य जानकारी प्राप्त करने में मदद करेंगे।

6. मूल्यांकन

विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रणाली भी पारंपरिक विश्वविद्यालयों से अलग है। इग्नू में मूल्यांकन की एक बहुविध प्रणाली है।

- अध्ययन की प्रत्येक इकाई में स्व–मूल्यांकन अभ्यास।
- चुने गए पाठ्यक्रम के अनुसार सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत मूल्यांकन।
- सत्रांत परीक्षा (टीईई)

मूल्यांकन में दो भाग होते हैं। i) सत्रीय कार्य के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परिणाम में, पाठ्यक्रम के सभी सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित होते हैं जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक। विश्वविद्यालय निरंतर मूल्यांकन के साथ–साथ सत्रांत परीक्षा के लिए ग्रेड पद्धति का अनुसरण भी करता है। यह नीचे दिए गए अक्षर ग्रेड का उपयोग करके दस बिंदुओं के पैमाने पर किया जाता है :

अक्षर ग्रेड	अंक ग्रेड	प्रतिशत
O + (सर्वश्रेष्ठ)	10	85
A + (बेहतरीन)	9	75 से 85
A+ (बहुत अच्छा)	8	65 से 75
B+ (अच्छा)	7	55 से 65
B+ (औसत से ऊपर)	6	50 से 55
C+ (औसत)	5	40 से 50
D+ (पास)	4	35 से 40
F+ (फेल)	0	35
Ab+ (अनुपस्थित)	0	अनुपस्थित

आपको निरंतर मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) और साथ ही प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा दोनों में कम से कम 35 प्रतिशत अंक स्कोर करने की आवश्यकता होती है। समग्र गणना में भी आपको बीए की डिग्री का दावा करने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में कम से कम 35 प्रतिशत अंक (ग्रेड डी) प्राप्त करने होंगे। सतत मूल्यांकन और सत्रांत परीक्षा के अंक एक पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए एक–दूसरे के पूरक नहीं हैं। **बी. ए. (हिंदी) ऑनर्स का मूल्यांकन अंकों के आधार पर ही होगा।**

जो छात्र सत्रांत परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होते हैं, उन्हें अगले वर्ष की सत्रांत परीक्षा देने की अनुमति दी जाती है। इसका मतलब है कि आप अपने अध्ययन के दूसरे वर्ष में प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों की सत्रांत परीक्षा दे सकते हैं। लेकिन आप एक परीक्षा में 48 से अधिक क्रेडिट के लिए परीक्षा नहीं दे सकते हैं। इसी तरह, पहले और दूसरे वर्ष के पाठ्यक्रम को तीसरे वर्ष तक ले जाया जा सकता है।

6.1 सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य द्वारा किसी पाठ्यक्रम में दी गई सामग्री का सतत मूल्यांकन किया जाता है। आपके द्वारा सत्रीय कार्यों में प्राप्त किए गए अंक आपके अंतिम परिणाम में शामिल किए जाएँगे। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, एक पाठ्यक्रम को सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत निर्धारित किए गए हैं। इसलिए आपको अपने सत्रीय कार्यों को गंभीरता से लेने की सलाह दी जाती है। आपकी ओर से एक साधारण चूक आपको बाद में बड़ी असुविधा में डाल सकती है।

इस कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए, आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा जिसमें पाठ्यक्रम की प्रकृति के आधार पर दो से तीन खंड होते हैं। प्रत्येक सेमेस्टर के अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य विश्वविद्यालय की वेबसाइट के छात्र क्षेत्र से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

आपको सत्रीय कार्य पुस्तिका में निर्दिष्ट नियत तिथियों के भीतर सत्रीय कार्य पूरा करना है। यदि आप किसी पाठ्यक्रम के लिए समय पर सत्रीय कार्य जमा नहीं करते हैं, तो आपको उस पाठ्यक्रम के लिए सत्रांत परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि आप सत्रीय कार्य प्रस्तुत किए बिना सत्रांत परीक्षा में बैठते हैं तो सत्रांत परीक्षा का परिणाम निरस्त कर दिया जाएगा।

सत्रीय कार्य संबंधी निर्देश

सुनिश्चित करें कि आपका सत्रीय कार्य सभी प्रकार से पूर्ण है। जमा करने से पहले आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपने सभी सवालों के जवाब दिए हैं। अपूर्ण सत्रीय कार्य या अधूरे उत्तरों से आपको अच्छे अंक नहीं मिल सकेंगे।

सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य आपके द्वारा प्राप्त की जाने वाली शिक्षण सामग्रियों की आपकी समझ और पाठ्यक्रम में आपकी सहायता करना है। मूल्यांकनकर्ता/शैक्षणिक परामर्शदाता कार्य को सही करने के बाद उन्हें अपनी टिप्पणियों और अंकों के साथ वापस आपके पास भेजते हैं। टिप्पणियाँ आपके अध्ययन में आपका मार्गदर्शन करेंगी और इसे बेहतर बनाने में मदद करेंगी। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आप प्रदर्शन पर मूल्यांकनकर्ता की टिप्पणियों से संबंधित सत्रीय कार्य की एक प्रति के साथ–साथ मूल्यांकित अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए) एकत्र करें।

मुद्रित पाठ्यक्रम सामग्री में प्रदान की गई सामग्री सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों का जवाब देने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए। कृपया सत्रीय कार्य पर काम करने के लिए अतिरिक्त पठन सामग्री की अनुपलब्धता के बारे में चिंता न करें। हालाँकि, यदि आप चाहें तो अन्य पुस्तकों का उपयोग कर सकते हैं। सत्रीय कार्य इस

तरह से डिजाइन किए गए हैं कि आप मुख्य रूप से पाठ्यक्रम सामग्री पर ध्यान केंद्रित करें और अपने व्यक्तिगत अनुभव का लाभ उठाएँ।

जाँचें हुए सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) अध्ययन केंद्र के संचालक से प्राप्त करना न भूलें। इनके साथ सत्रीय कार्य शीट भी होगी जिस पर अध्यापक द्वारा आपके सत्रीय कार्य पर दी गई टिप्पणी लिखी होगी। इन टिप्पणियों में आपके परामर्शदाता आपको यह बताते हैं कि आपका अध्ययन संतोषप्रद ढंग से चल रहा है या नहीं और आप कैसे इसे अधिक बेहतर बना सकते हैं। इससे आपको आगे सत्रीय कार्य करने में मदद मिलेगी।

सत्रीय कार्य की जो उत्तर–पुस्तिका आप अपने अध्ययन केंद्र के संचालक को देते हैं, उसकी एक प्रति अपने पास रिकॉर्ड के लिए रख लें। सत्रीय कार्यों को अध्ययन केंद्र पर जमा कराने के एक माह के भीतर आपके पास जाँचा हुआ सत्रीय कार्य वापस नहीं आता है तो इसे अपने अध्ययन केंद्र से लेने का प्रयास करें। इससे आपको भविष्य में अपने अध्ययन में सुधार करने में सहायता मिलेगी। जाँचे हुए सत्रीय कार्यों का हिसाब भी रखें। आगे चलकर यदि कोई समस्या आती है तो विश्वविद्यालय के सम्मुख अपना मामला रखने में आपको सहायता मिलेगी।

यदि आपको किसी सत्रीय कार्य में पास ग्रेड नहीं मिलता है, तो आपको इसे फिर से जमा करना होगा। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के स्टूडेंट जोन टैब से नए सत्रीय कार्य प्राप्त करें। हालाँकि, सत्रीय कार्य में पास ग्रेड प्राप्त करने के बाद, आप ग्रेड में सुधार के लिए इसे फिर से जमा नहीं कर सकते। तथ्यात्मक त्रुटियों को छोड़कर सत्रीय कार्यों का पुनर्मूल्यांकन संभव नहीं है। मूल्यांकन किए गए सत्रीय कार्य में आपके द्वारा देखी गई विसंगति को अध्ययन केंद्र के समन्वयक के ध्यान में लाया जाना चाहिए, ताकि उनके द्वारा मुख्यालय में छात्र मूल्यांकन प्रभाग को सही अंक भेज दिया जाए।

यदि आपको लगता है कि आपके सत्रीय कार्य के अंक आपकी अंक तालिका में सही रूप से परिलक्षित नहीं हुए हैं या नहीं चढ़े हैं, तो आपको सलाह दी जाती है कि आप सही ग्रेड के साथ अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक से संपर्क करके उसे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को भेजने का अनुरोध करें।

सत्रीय कार्य के साथ–साथ अध्ययन सामग्री या सत्रीय कार्य के बारे में स्पष्टीकरण, यदि कोई हो तो उसके लिए कोई संदेह या घेराव न करें। अपने संदेह को इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068 में संबंधित विद्यापीठ के निदेशक को एक अलग कवर में भेजें। अपना पूरा नामांकन नंबर, नाम, पता, पाठ्यक्रम का शीर्षक और इकाई या सत्रीय कार्य की संख्या इत्यादि का विवरण अपने पत्र के शीर्ष पर लिखें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य के लिए विशिष्ट निर्देश

1) अपनी उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के शीर्ष दाहिने कोने पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता, हस्ताक्षर और दिनांक लिखें।

2) अपनी उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के बाएँ कोने पर कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम कोड, पाठ्यक्रम शीर्षक, कोड और अपने अध्ययन केंद्र का नाम लिखें।

पाठ्यक्रम कोड और सत्रीय कार्य कोड सत्रीय कार्य से प्राप्त किया जा सकता है। अपपकी पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर का मात्र इस तरह दिखना चाहिए :

नामांकन संख्या :

कार्यक्रम शीर्षक : ..... **नाम :** .....

पाठ्यक्रम कोड : ..... **पता :** .....

पाठ्यक्रम शीर्षक : ....

सत्रीय कार्य कोड : ..... **हस्ताक्षर :** .....

अध्ययन केंद्र : ..... **तारीख :**

---

3) सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और यदि सत्रीय कार्य की विषयवस्तु या उसकी प्रस्तुति के बारे में कोई विशिष्ट निर्देश हों तो उसका पालन करें।

4) उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रश्न के संबंध में कुछ बिंदु बनाएँ और फिर उन बिंदुओं को तार्किक क्रम में पुनर्व्यवस्थित करें और अपने उत्तर की एक मोटी रूपरेखा तैयार करें। निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर देते समय, परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। परिचय में प्रश्न की एक संक्षिप्त व्याख्या और आप इसे किस तरह समझते हैं, इस पर ध्यान देना चाहिए। निष्कर्ष में आपको प्रश्न के प्रति अपनी प्रतिक्रिया का सारांश देना चाहिए। इसका ध्यान रखें कि उत्तर तार्किक और सुसंगत हो और वाक्य और परिच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो। उत्तर प्रासंगिक होना चाहिए। सुनिश्चित करें कि आपने प्रश्न में पूछे गए सभी मुख्य बिंदुओं को हल करने का प्रयास किया है। एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाते हैं, तो अंतिम संस्करण को बड़े करीने से लिखें और उन बिंदुओं को रेखांकित करें जिन पर आप जोर देना चाहते हैं। संख्यात्मक समस्याओं को हल करते समय उचित प्रारूप का उपयोग करें और जहाँ भी आवश्यक हो, काम के नोट्स लिखें।

5) अपने उत्तर के लिए केवल फुलस्केप आकार के कागज का उपयोग करें और सभी पृष्ठों को सावधानी से बाँधें। बहुत पतले कागज का उपयोग न करें। बाईं ओर 4 सेमी का मार्जिन और प्रत्येक उत्तर के बीच में कम से कम 4 लाइनें छोड़ दें। इससे मूल्यांकनकर्ता को उचित स्थानों पर मार्जिन में उपयोगी टिप्पणी लिखने में सुविधा होगी।

6) उत्तर अपने हाथों से लिखें। उत्तर को टाइप या प्रिंट न करें। विश्वविद्यालय द्वारा आपको भेजी गई इकाइयों/खंडों से अपने उत्तर की नकल न करें। यह सलाह दी जाती है कि उत्तर अपने शब्दों में लिखें क्योंकि यह आपकी अध्ययन सामग्री को समझने में मदद करेगा।

7) अन्य छात्रों के उत्तर पत्रों से नकल न करें। यदि नकल पकड़ी गई तो आपका सत्रीय कार्य अस्वीकार कर दिया जाएगा।

8) प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिखें। सभी सत्रीय कार्य को निरंतरता में नहीं लिखा जाना चाहिए।

9) प्रत्येक उत्तर के साथ प्रश्न संख्या लिखें।

10) पूरे किए गए सत्रीय कार्य आपको आबंटित किए गए अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास जमा किया जाना चाहिए। किसी अन्य स्थान पर जमा किए गए सभी अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

11) अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य जमा करने के बाद, निर्धारित सत्रीय कार्य प्रेषण–सह–स्वीकृति कार्ड पर समन्वयक से पावती प्राप्त करें।

12) यदि आपने अध्ययन केंद्र में बदलाव के लिए अनुरोध किया है, तो आप अपने अध्यापक जाँच सत्रीय कार्यों के अपने पहले के अध्ययन केंद्र में ही तब तक भेजते रहें, जब तक कि विश्वविद्यालय द्वारा आपको अध्ययन केंद्र के बदलने की सूचना नहीं भेज दी जाती।

13) यदि आपको लगता है कि आपके सत्रीय कार्यों के मूल्यांकन में कोई तथ्यात्मक त्रुटि है, उदाहरण के लिए यदि आपके सत्रीय कार्य के किसी अंश का मूल्यांकन नहीं किया गया है या आपके सत्रीय कार्य पर दर्ज कुल अंक गलत हैं तो आप अपने अध्ययन केंद्र के संचालक से इस गलती के सुधार के लिए संपर्क करें और उस परिवर्तन को विश्वविद्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को सूचित करें।

6.2 सत्रांत परीक्षा

सत्रांत परीक्षा मूल्यांकन प्रणाली का प्रमुख अंग हैं और इसका अंतिम परिणाम में 70 प्रतिशत महत्व होता है।

आपको अंतिम तिथि से पहले सत्रांत परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरना होगा यानी 31 मार्च को जून की परीक्षा और 30 सितंबर को दिसंबर की परीक्षा के लिए।

विश्वविद्यालय साल में दो बार यानी जून और दिसंबर में सत्रांत परीक्षा आयोजित करता है। आप सत्रांत परीक्षा सिर्फ एक साल के अध्ययन के बाद दे सकते हैं। पहले दूसरे व तीसरे सालों की सत्रांत परीक्षा हर वर्ष के अंत में संचालित की जाएगी। अर्थात् पहले और दूसरे छमाही पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा पहले साल के अंत में एक–साथ ली जाएगी। इसी प्रकार, पाठ्यक्रम के दूसरे और तीसरे वर्षों में, तीसरे और चौथे छमाही पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा (दूसरे वर्ष की अध्ययन सामग्री कोर्स) व पाँचवें व छठे छमाही पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा (तीसरे वर्ष की अध्ययन सामग्री) एक–साथ संचालित की जाएगी। अगर आप कोई भी सत्रांत परीक्षा देने में विफल रहते हैं, तब आप इसे अगले जून या दिसम्बर में दे सकते हैं।

एक शिक्षार्थी को सत्रांत परीक्षा में निम्नलिखित शर्तों के अधीन उपस्थित होने की अनुमति है : –

- पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण मान्य और समय वर्जित नहीं है।
- संबंधित पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य को पूरा करके नियत तिथि तक अध्ययन केंद्र में जमा करा दिया है।
- कार्यक्रम के प्रावधान के अनुसार इन पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने का न्यूनतम समय पूरा हो चुका है।

- अपने परीक्षा फॉर्म को निर्धारित शुल्क के साथ समय से भेज दिया है।

उपरोक्त शर्तों में से किसी एक का भी पालन न करने की स्थिति में, ऐसे सभी पाठ्यक्रमों के परिणाम विश्वविद्यालय द्वारा रोक दिए जा सकते हैं।

यदि आप सत्रांत परीक्षा में पास स्कोर (35 प्रतिशत अंक) प्राप्त करने में असफल रहते हैं तो आपको कार्यक्रम के कुल अवधि यानी छह साल के भीतर उस पाठ्यक्रम के लिए अगले सत्रांत परीक्षा में फिर से बैठना होगा।

परीक्षा फार्म जमा करना

शिक्षार्थियों को हर बार सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए परीक्षा फॉर्म भरना होता है यानी हर परीक्षा (जून/दिसंबर) के लिए एक शिक्षार्थी को नए सिरे से आवेदन करना होता है। केवल उन सभी पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन फॉर्म जमा किया जाना होता है जिनमें शिक्षार्थी सत्रांत परीक्षा में बैठने की योजना बनाता है। परीक्षा फॉर्म भरने में विसंगतियों से बचने के लिए और सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने में आने वाली कठिनाई से बचने के लिए, आपको निम्नलिखित सलाह दी जाती है :

1) परीक्षा फॉर्म जमा करने की अनुसूची में बदलाव के लिए अध्ययन केंद्र/क्षेत्रीय केंद्र/छात्र मूल्यांकन प्रभाग के संपर्क में रहे।

2) फॉर्म के प्रसंस्करण में अस्वीकृति/देरी से बचने के लिए परीक्षा फॉर्म में दिए गए सभी विवरणों को सावधानीपूर्वक और ठीक से भरें।

3) अपने हॉल टिकट को डाउनलोड करने तक परीक्षा फॉर्म जमा करने का सबूत अपने पास रखें।

परीक्षा शुल्क और भुगतान की विधि

सत्रांत परीक्षा फॉर्म जमा करने की अनुसूची इग्नू की वेबसाइट पर प्रत्येक सत्र के दौरान उपलब्ध रहती है।

परीक्षा शुल्क

150/–रु. प्रति सिद्धांत पाठ्यक्रम

150/–रु. प्रति व्यावहारिक पाठ्यक्रम

भुगतान का प्रकार

क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/नेट बैंकिंग

एक बार भुगतान किया गया परीक्षा शुल्क न तो वापस किया जा सकता है और न ही समायोज्य, भले ही शिक्षार्थी परीक्षा में उपस्थित न हो पाए।

सत्रांत परीक्षा के लिए हॉल टिकट

हॉल टिकट परीक्षार्थियों को नहीं भेजा जाएगा। सत्रांत्र परीक्षा शुरू होने से 7–10 दिन पहले सभी परीक्षार्थियों के हॉल टिकट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाते हैं।

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी नामांकन संख्या और अध्ययन के कार्यक्रम का नाम दर्ज करने के बाद विश्वविद्यालय के वेबसाइट से हॉल टिकट का प्रिंट आउट ले लें और क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक द्वारा सत्यापित एवं विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए गए पहचान पत्र के साथ परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करें। क्षेत्रीय केंद्र/विश्वविद्यालय द्वारा जारी वैध इग्नू स्टूडेंट आईडी कार्ड के बिना परीक्षार्थियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए प्रत्येक छात्र को हॉल टिकट के साथ अपना पहचान पत्र लाना होगा। छात्रों को केवल उन पाठ्यक्रमों के लिए सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति होगी जिनके लिए उनका पंजीकरण वैध है और अध्ययन की निर्धारित न्यूनतम अवधि पूरी हो गई है। यदि किसी शिक्षार्थी ने विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए गए पहचान पत्र को खो दिया है तो परीक्षा शुरू होने से पहले संबंधित क्षेत्रीय केंद्र पर एक डुप्लिकेट पहचान पत्र के लिए आवेदन करना अनिवार्य है। मान्य पहचान पत्र के बिना शिक्षार्थी को परीक्षा केंद्र परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

परीक्षा की तिथि

परीक्षा की तिथि (यानी अनुसूची जो प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा की तारीख और समय को इंगित करता है)। सभी अध्ययन केंद्रों को एक महीने पहले भेजा जाता है। ये इग्नू समाचार पत्र में छपते हैं और पोस्ट किए जाते हैं। डेटशीट www.ignou.ac.in पर भी प्रदर्शित की जाती है। आपको यह देखने की सलाह दी जाती है कि जिन पाठ्यक्रमों की आप परीक्षा देना चाहते हैं, उनकी परीक्षा एक ही दिन निर्धारित की गई है। यदि ऐसा होता है तो आपको सलाह दी जाती है कि आप एक पाठ्यक्रम के लिए सत्रांत परीक्षा में बैठें और दूसरे पाठ्यक्रम के लिए अगली सत्रांत परीक्षा में।

परिणाम की घोषणा

यह जाँचना आपका कर्तव्य है कि क्या आप पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत हैं और क्या आप उस परीक्षा में बैठने के योग्य हैं। यदि आप बिना पात्रता के परीक्षा देते हैं, तो आपका परिणाम रद्द कर दिया जाएगा।

अगली सत्रांत परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म जमा करने की समय सीमा से पहले परिणाम घोषित करने के सभी प्रयास किए जाते हैं। यदि किसी पाठ्यक्रम का परिणाम घोषित नहीं हुआ है, तो आपको परीक्षा शुल्क के बिना उस पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा फॉर्म भरना चाहिए। यदि आप उस पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठते हैं तो आपको एक डिमांड ड्राफ्ट (इग्नू, नई दिल्ली के पक्ष में देय) भेजना होगा, जिसमें रजिस्ट्रार, छात्र मूल्यांकन विभाग (एसईडी), नई दिल्ली को अपेक्षित राशि दी जाएगी, इसके बिना उस पाठ्यक्रम के परिणाम की घोषणा नहीं की जाएगी।

परिणाम की जल्द घोषणा

ऐसे शिक्षार्थियों को सुविधा प्रदान करने के लिए जिन्होंने उच्च अध्ययन के लिए प्रवेश प्राप्त किया है या रोजगार के लिए चयनित हुए हैं आदि और एक निर्धारित तिथि तक अंकों/ग्रेड कार्डों के विवरण तैयार करना आवश्यक है, विश्वविद्यालय परिणाम की जल्द घोषणा के लिए आवेदन कर सकता है। ऐसे छात्र को निर्धारित प्रारूप (विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध) के साथ शुल्क 1000/– रु. प्रति पाठ्यक्रम के लिए डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जो इग्नू के पक्ष में नई दिल्ली में देय हो तथा) प्रवेश/रोजगार की पेशकश की सत्यापित फोटो कॉपी प्रस्तुत करना होगा। शिक्षार्थी को सत्रांत परीक्षा की शुरूआत से पहले परिणाम की घोषणा के लिए अपना निवेदन प्रस्तुत करना होगा अर्थात् जून और दिसंबर सत्रांत परीक्षा के लिए क्रमशः 1 जून या 1 दिसंबर से पहले। ऐसे मामलों में विश्वविद्यालय उत्तर पुस्तिकाओं के शीघ्र मूल्यांकन की व्यवस्था करेगा और विशेष मामले के रूप में परीक्षा के संचालन से संभवतः एक महीने के भीतर परिणाम घोषित करेगा।

उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन

वे छात्र जो सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंक/ग्रेड से संतुष्ट नहीं हैं, वे परिणाम घोषित होने की तारीख से एक महीने के भीतर पुनर्मूल्यांकन के लिए निर्धारित फॉर्म में आवेदन कर सकते हैं। प्रति पाठ्यक्रम पुनर्मूल्यांकन हेतु 750/– रु. का भुगतान ऑनलाइन करना है। पुनर्मूल्यांकन के बाद अंक/ग्रेड और पहले के अंक/ग्रेड दोनों में से जो बेहतर होगा उसे छात्र के रिकॉर्ड में अपडेट कर दिया जाएगा।

पुनर्मूल्यांकन की अनुमति सिर्फ सत्रांत परीक्षा के लिए है न कि व्यावहारिक, परियोजना रिपोर्ट, कार्यशाला, सत्रीय कार्य, ट्यूटोरियल, सेमिनार आदि के लिए। इसके लिए नियमों और विनियमों के साथ एक नमूना आवेदन फॉर्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

डिवीजन/क्लास में सुधार

स्नातक कार्यक्रम के छात्र जिन्होंने अपना कार्यक्रम पूरा कर लिया है और सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होकर अपने डिवीजन/श्रेणी में सुधार करना चाहते हैं उनमें से वे छात्र जिनकी द्वितीय और प्रथम श्रेणी बनने में अधिकतम 2 प्रतिशत अंक ही कम हैं सिर्फ वे इसके लिए योग्य हैं।

छात्र जून सत्रांत परीक्षा के लिए 1 से 30 अप्रैल तक और दिसंबर सत्रांत परीक्षा के लिए 1 से 31 अक्टूबर तक सत्रांत परीक्षा के शुल्क के साथ निर्धारित फॉर्म में प्रति पाठ्यक्रम निर्धारित शुल्क 750/–रु. के डिमांड ड्राफ्ट जो इग्नू के पक्ष में नई दिल्ली में देय हो, आवेदन कर सकते हैं।

सुधार की अनुमति सिर्फ सत्रांत परीक्षा के लिए है न कि व्यावहारिक, परियोजना रिपोर्ट, कार्यशाला, सत्रीय कार्य, ट्यूटोरियल, सेमिनार, आदि के लिए।

अपने अंकों में सुधार करने के इच्छुक छात्रों को अंक/ग्रेड कार्ड के अंतिम विवरण जारी करने की तारीख से छह महीने के भीतर इस शर्त के अधीन आवेदन करना होगा कि उनका पंजीकरण कार्यक्रम/पाठ्यक्रम के लिए अगली सत्रांत परीक्षा तक जिसमें वे सुधार के लिए उपस्थित होना चाहते हैं, मान्य है। इस उद्देश्य के लिए नियम और विनियम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी प्राप्त करना : परिणाम घोषित होने के बाद, यदि शिक्षार्थी प्राप्त अंकों से संतुष्ट नहीं है तो वह प्रति पाठ्यक्रम 100/–रु. के भगुतान पर उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय से अनुरोध कर सकता है। छात्र द्वारा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अनुरोध, **छात्र मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली** को परिणाम की घोषणा की तारीख से 45 दिनों के भीतर निर्धारित प्रारूप में किया जाना चाहिए साथ में प्रति पाठ्यक्रम 100/–रु. का भुगतान ऑनलाइन करना है।

परीक्षाओं के संबंध में विश्वविद्यालय से संवाद करते समय कृपया अपना नामांकन नंबर और पूरा पता स्पष्ट रूप से लिखें। इस तरह के विवरण के अभाव में, हम आपकी समस्याओं का समाधान नहीं कर पाएँगे।

7. अन्य उपयोगी जानकारी

छात्रवृत्ति और शुल्क की वापसी

आरक्षित श्रेणियों अर्थात् अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और विकलांग विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में प्रवेश के समय अन्य सामान्य श्रेणी के विद्यार्थियों के साथ पूरे शुल्क का भुगतान करना होगा। इग्नू कार्यक्रमों में दाखिला प्राप्त विकलांग श्रेणी के छात्र भारत सरकार की छात्रवृत्ति के पात्र हैं। ऐसे छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे अपने–अपने राज्य के समाज कल्याण निदेशालयों या समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय से छात्रवृत्ति के फॉर्म लें और भरे हुए फॉर्म इग्नू के संबद्ध क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक के पास क्षेत्रीय निदेशक द्वारा आवश्यक प्रमाणन के लिए जमा कर दें।

इसी प्रकार कार्यक्रम शुल्क की वापसी के लिए अनुसूचित जातियों/अनूसचित जनजातियों के छात्रों को यह सलाह दी जाती है कि वे इग्नू के संबद्ध क्षेत्रीय निदेशक के माध्यम से अपने–अपने राज्य के समाज कल्याण निदेशालयों या समाज कल्याण अिधकारी के कार्ययाल में जमा कर दें।

माध्यम में परिवर्तन की अनुमति प्रथम सेमेस्टर की पाठ्यक्रम सामग्री के पहले सेट की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर तक ही है। इसके लिए बी.ए.एच.डी.एच कार्यक्रम 350/–रु. और प्रति 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए 350/–रु. और प्रत्येक 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए 700/–रु का भुगतान 'इग्नू' के पक्ष में संबंधित क्षेत्रीय केंद्र के शहर में देय डिमांड ड्राफ्ट द्वारा करना होगा। माध्यम में परिवर्तन के लिए आवेदन पत्र समय–सारणी के अनुसार केवल संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजें।

पते में परिवर्तन या सुधार

पते/नाम में परिवर्तन/सुधार के लिए एक मुद्रित फॉम है। स्टूडैंट जोन के तहत विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उसकी प्रति ऑनलाइन उपलब्ध है। यदि आपके पते में कोई सुधार या परिवर्तन कराना है तो आपको रजिस्ट्रार एसआरडी (संबंधित क्षेत्रीय निदेशक के माध्यम से) को संबोधित उस प्रपत्र का उपयोग करने के लिए निर्देशित किया जाता है। आपको सलाह दी जाती है कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के किसी अन्य अधिकारी को पत्र न लिखें। आम तौर पर परिवर्तन में चार से छह सप्ताह लगते हैं। इसलिए, आपको इस अवधि के दौरान बदले हुए पते पर मेल को पुनर्निर्देशित करने के लिए अपनी व्यवस्था करने की सलाह दी जाती है।

अध्ययन केंद्र में परिवर्तन

एक छात्र को केवल ऐसे अध्ययन केंद्रों को चुनने की आवश्यकता होती है जो कार्यक्रम के लिए सक्रिय हैं। जहाँ तक संभव हो विश्वविद्यायल छात्र द्वारा चुने गए अध्ययन केंद्र को आबंटित करता है। हालाँकि, विश्वविद्यालय किसी भी समय छात्र की सहमति के बिना अध्ययन केंद्र को अपनी सुविधानुसार बदल सकता है।

अध्ययन केंद्र में परितर्वन के लिए, आपको अपने क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक को एक अनुरोध भेजना होगा। इसकी एक प्रति मुख्यालय में छात्र मूल्यांकन प्रभाग को भेजी जा सकती है।

किसी कार्यक्रम के लिए परामर्श की सुविधा सभी केंद्रों पर उपलब्ध नहीं हो सकती है। इसलिए आपको यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है कि आपके द्वारा चुने गए नए केंद्र पर आपके कार्यक्रम के लिए परामर्श सत्रों की सुविधा उपलब्ध है। जहाँ तक संभव होता है, अध्ययन केंद्र के बदलाव के अनुरोध को मान लिया जाता है। हालाँकि एक नए अध्ययन केंद्र का आवंटन नए केंद्र में कार्यक्रम के लिए सीटों की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

क्षेत्रीय केंद्र में परिवर्तन

यदि आप एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरण करना चाहते हैं तो आपको अपना आवेदन क्षेत्रीय केंद्र में स्थानांतरित करने के लिए स्थानांतरण प्रति के साथ उस क्षेत्रीय केंद्र में भेजना होगा, जहाँ आप स्थानांतरण चाहते हैं। इसके अलावा, आपको अध्ययन केंद्र के समन्वयक से एक प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा जहाँ से आप जमा किए गए सत्रीय कार्य की संख्या के बारे में स्थानांतरण चाहते हैं। क्षेत्रीय निदेशक, जहाँ से शिक्षार्थी स्थानांतरण चाह रहा है, रजिस्ट्रार, छात्र पंजीकरण प्रभाग और शिक्षार्थी को सूचना के तहत नए क्षेत्रीय केंद्र को शुल्क भुगतान के विवरण सहित सभी रिकार्ड स्थानांतरित कर देगा। मनोविज्ञान जैसे व्यावहारिक उन्मुख पाठ्यक्रमों में क्षेत्र के परिवर्तन के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र 'संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/अध्ययन केन्द्र से प्राप्त करना होगा, जहाँ आप स्थानांतरण करना चाहते हैं। यदि कोई भी शिक्षार्थी सेना/नौसेना/वायु सेना के क्षेत्रीय केंद्र से विश्वविद्यालय के किसी अन्य क्षेत्रीय केंद्र सत्र के दौरान स्थानांतरण के लिए उत्सुक है, तो उसे क्षेत्रीय केंद्र को शुल्क–शेयर राशि का भुगतान करना होगा। यदि शिक्षार्थी सत्र/चक्र की शुरूआत में स्थानांतरण चाहता है तो सत्र/चक्र के लिए आवश्यक कार्यक्रम पाठ्यक्रम शुल्क क्षेत्रीय केंद्र में जमा किया जाएगा। हालाँकि, स्थानांतरण जहाँ भी लागू हो सीटों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

डुप्लीकेट ग्रेड कार्ड/मार्क शीट जारी करना

निर्धारित फॉर्म पर एक अनुरोध के साथ इग्नू, नई दिल्ली के पक्ष में देय 200/–रु. का ड्राफ्ट जमा करने के बाद डुप्लिकेट ग्रेड कार्ड जारी किया जाता है। फॉर्म इग्नू की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

डुप्लिकेट डिग्री प्रमाण पत्र जारी करना

निर्धारित फॉर्म पर एक अनुरोध के साथ इग्नू, नई दिल्ली के पक्ष में देय 750/–रु. का ड्राफ्ट जमा करने के बाद डुपिलकेट डिग्री प्रमाण पत्र जारी किया जा सकता है। अनुरोध के साथ निम्नलिखित दस्तावेजों को संलग्न करना आवश्यक है :

1) 10/–रु के गैर–न्यायिक स्टांप पेपर पर शपथ–पत्र

2) डिग्री प्रमाणपत्र के खोने के बारे में पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर की प्रति

3) आवश्यक शुल्क का डिमांड ड्राफ्ट /आईपीओ

इसके लिए प्रपत्र और प्रारूप वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

पुनः प्रवेश

यदि आप अधिकतम 6 वर्षों में कार्यक्रम पूरा करने में सक्षम नहीं होते हैं तो विश्वविद्यालय ने फिर से प्रवेश के लिए एक विशेष प्रावधान किया है। आपको पुनः प्रवेश के लिए निम्नलिखित दो कदम उठाने होंगे :

क) प्रवेश मानदंड को पूरा करके और कार्यक्रम के लिए अपेक्षित शुल्क का भुगतान करके अन्य छात्रों की तरह कार्यक्रम में प्रवेश लें।

लागू शुल्क के साथ पुराने नामांकन के तहत आपके द्वारा अर्जित क्रेडिट के हस्तांतरण के लिए विश्वविद्यालय में आवेदन करें।

पूर्ण क्रेडिट स्थानांतरण की अनुमति उसी स्थिति में जा सकती है पाठ्यक्रम और पद्धति अभी भी उसी भाँति चल रहे हैं, जैसे पुराने नामांकन के तहत थे।

एक से ज्यादा पंजीकरण

एक शिक्षार्थी को दिए गए शैक्षणिक सत्र में केवल एक कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करने की अनुमति है। इसलिए, आपको दिए गए शैक्षणिक सत्र में केवल एक कार्यक्रम में प्रवेश लेने की सलाह दी जाती है। हालाँकि, आपको अन्य कार्यक्रमों के साथ 6 महीने की अवधि के 'प्रमाणपत्र कार्यक्रम' में प्रवेश लेने की अनुमति है। इस नियम के उल्लंघन के परिणामस्वरूप सभी कार्यक्रमों में प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा और कार्यक्रम की फीस काट ली जाएगी।

प्रवास प्रमाण पत्र

प्रवास प्रमाण पत्र के लिए अनुरोध निम्नलिखित दस्तावेजों` साथ क्षेत्रीय निदेशक को भेजा सकता है :

1) आवेदन (इग्नू की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।)

2) मार्कशीट की सत्यापित प्रति

3) इग्नू के पक्ष में 500/–रु. का शुल्क डिमांड ड्राफ्ट के रूप में उस शहर में देय जहाँ क्षेत्रीय केंद्र स्थित हैं।

फीस की वापसी

फीस वापसी का अनुरोध निम्नानुसार माना जाएगा :

(क). प्रवेश फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि से पहले कार्यक्रम शुल्क 200/–रु. की कटौती के बाद वापस किया जाएगा।

(ख). प्रवेश फॉर्म–कार्यक्रम शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि से 15 दिनों के भीतर 500/–रु. की कटौती के बाद वापस कर दिया जाएगा।

(ग). प्रवेश फॉर्म– कार्यक्रम शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि से 30 दिनों के भीतर 1000/–रु. की कटौती के बाद वापस कर दिया जाएगा।

(घ). अंतिम तिथि की समाप्ति के 30 दिनों के बाद कोई धन वापसी की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ङ). प्रवेश फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीखों को अलग–अलग माना जाएगा, यानी बिना लेट फीस के आखिरी तारीख और लेट फीस के साथ आखिरी तारीख। हालाँकि, विलंब शुल्क, यदि कोई हो तो वापस नहीं किया जाएगा।

(च). उपरोक्त (क) से (ग) के मामलों में, उम्मीदवार इस तरह फीस वापसी के लिए संबंधित क्षेत्रीय निदेशक (आरडी) को एक लिखित अनुरोध करेंगे। क्षेत्रीय केंद्र (आरसी) इग्नू खातों में इसके क्रेडिट का पता लगाने के बाद जितनी जल्दी हो सके मामलों पर कार्रवाई करेगा।

विश्वविद्यालय में प्रवेश और अन्य मामलों में विवाद

मुकदमा दाखिल करने के लिए अधिकार क्षेत्र का स्थान, यदि आवश्यक हो तो केवल नई दिल्ली/दिल्ली में होगा।

विश्वविद्यालय के अधिकांश संचालन ऑनलाइन हैं। विश्वविद्यालय ने अपनी वेबसाइट पर एप्लिकेशन फॉर्म उपलब्ध कराए हैं। जहाँ भी आपको हार्ड कॉपी जमा करने की आवश्यकता होती है, इन प्रपत्रों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट के विद्यार्थी क्षेत्र (Student Zone) से डाउनलोड करें।

8. कुछ उपयोगी पते

अपने अध्ययन के दौरान आपको नियमों और साथ ही इग्नू में अपनी पढ़ाई पूरी करने में कुछ मुद्दों को कैसे हल किया जाए के बारे में कुछ अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता हो सकती है। आपको पता होना चाहिए कि विशिष्ट जानकारी के लिए किससे संपर्क करें। विशिष्ट जानकारी या समस्या के समाधान के लिए विश्वविद्यालय में कार्यालयों के पते और संपर्क नंबर और ईमेल की एक सूची यहाँ दी गई है।

1.	पहचान पत्र, शुल्क प्राप्ति रशीद, मूल प्रमाण पत्र, प्रवास प्रमाण पत्र, छात्रवृत्ति फॉर्म	संबंधित क्षेत्रीय केंद्र
2.	अध्ययन सामग्री न मिलने पर	सामग्री उत्पादन एवं वितरण विभाग
3.	परीक्षा फॉर्म, प्रवेश परीक्षा, तिथि पत्रक, इग्नू हॉल टिकट की अनुसूची/सूचना	उप–कुलसचिव, परीक्षा–III, वि.मू प्रभाग, ब्लॉक–12, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068, ई. मेल :

		evaluationsed@ignou.ac.in फोन नं. 29536743, 29535924–32 / एक्स–2202, 2209
4.	परीक्षा परिणाम, पुनः जाँच, ग्रेड कार्ड, अस्थाई (अंनतिम) प्रमाण–पत्र, परीक्षाफल की समयपूर्व घोषणा ट्रांस्क्रिप्ट	उप–कुलसचिव, परीक्षा–III, वि.मू. प्रभाग, ब्लॉक–12, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068, ई. मेल : sedgrievance@ignou.ac.in फोन : 29536103, 29535924–32 / एक्स–2201, 2211, 1316
5.	सत्रीय कार्यों के ग्रेड / अंकों का अंकसूची में न जुड़ना	उप कुलसचिव, (सत्रीय कार्य) वि.म. प्रभाग, ब्लॉक 3, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068, ई. मेल : assignments@ignou.ac.in फोन, 29535924, / एक्स–1312 1319, 1325
6.	मूल डिग्री / डिप्लोमा, डिग्री / डिप्लोमा का सत्यापन	सहा. कुलसचिव (परीक्षा–I) वि.मू. प्रभाग, ब्लॉक–9, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068, ई. मेल : evaluationsed@ignou.ac.in फोन नं. 29535438, 29535924–32 / एक्स–2224, 2213
7.	मूल्यांकन से संबंधित विद्यार्थी की शिकायत	सहायक कुलसचिव (विद्यार्थी शिकायत), वि.मू.प्र., खंड–3, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–68, ई. मेल : sedgrievance@ignou.ac.in फोन : 29532294, 29535924–32 / एक्स–1313
8.	शैक्षिक विषयवस्तु	संबंधित विद्यापीठ का निदेशक
9.	विद्यार्थी सहायता सेवाएँ और विद्यार्थियों की शिकायतें, इग्नू के विभिन्न पाठ्यक्रमों की प्रवेश पूर्व पूछताछ	निदेशक, विद्यार्थी सहायता केंद्र, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068, ई. मेल : ssc@ignou.ac.in फोन नं. 29535714, 29533869, 2953380 फैक्स–29533129

खंड 2

पाठ्यक्रमों का विवरण

प्रत्येक सेमेस्टर में, छात्रों को पाठ्यक्रमों की विभिन्न श्रेणियों से सभी पाठ्यक्रमों में चार पाठ्यक्रमों का अध्ययन करना होता है। केवल तीसरे और चौथे सेमेस्टर में पाठ्यक्रमों की संख्या 5 हो जाती है। जबकि सीसी, डीएसई और जीई श्रेणियों के अंतर्गत पाठ्यक्रम प्रत्येक में छह क्रेडिट के होते हैं। योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम और कौशल संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम के तहत पाठ्यक्रम प्रत्येक 4 क्रेडिट है। जबकि चौदह अनिवार्य पाठ्यक्रमों को 6 सेमेस्टर में वितरित किया गया है, 4 विषय विशिष्ट पाठ्यक्रम केवल पाँचवें और छठे सेमेस्टर में उपलब्ध है।

पहले और दूसरे सेमेस्टर में अध्ययन भार प्रत्येक 22–22 क्रेडिट होगा और जबकि तीसरे और चौथे सेमेस्टर में क्रेडिट लोड 28 क्रेडिट प्रत्येक सेमेस्टर के लिए बढ़ाया जाएगा, यह पाँचवें और छठे सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर के अंतर्गत 24 क्रेडिट हो जाएगा। इस प्रकार कुल अध्ययन भार 148 क्रेडिट होगा। निम्न तालिका बी.ए. (हिंदी) ऑनर्स के लिए उपलब्ध क्रेडिट भार और सेमेस्टर–वार पाठ्यक्रमों के कोड और सारणी प्रस्तुत करती है :

बी.ए. (हिंदी) ऑनर्स कार्यक्रम के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम

1. अनिवार्य पाठ्यक्रम

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) (BHDC 101) 6 क्रेडिट

- काल विभाजन और नामकरण की समस्या
- साहित्य और इतिहास का अंतः संबंध तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
- हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि
- आदिकालीन परिस्थितियों का अध्ययन
- आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- भक्ति आंदोलन और उसका वैचारिक आधार
- भक्तिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय
- निर्गुण ज्ञानमार्गी काव्यधारा
- निर्गुण प्रेममार्गी (सूफी) काव्यधारा
- सगुण कृष्ण भक्ति काव्यधारा
- सगुण रामभक्ति काव्यधारा
- रीतिकालीन काव्य के प्रेरणा स्रोत और परिस्थितियाँ
- रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, भाग–1
- रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, भाग–2

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (BHDC 102) 6 क्रेडिट

- आधुनिक युग का प्रारम्भ और परिस्थितियाँ
- नवजागरण और स्वाधीनता आंदोलन
- आधुनिक हिन्दी साहित्य का आरम्भ और भारतेंदु युग
- द्विवेदी युग
- छायावाद
- उत्तरछायावादी कविता
- प्रगतिशील काव्य
- प्रयोगवाद एवं नयी कविता
- समकालीन हिन्दी काव्य
- कथा साहित्य–1 (कहानी)
- कथा साहित्य–2 (उपन्यास)
- नाट्य साहित्य और रंगमंच
- निबंध तथा अन्य गद्य विधाओं का विकास
- हिन्दी आलोचना का विकास

आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता (BHDC 103) 6 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम में आदिकालीन तथा मध्यकालीन हिंदी कविता को शामिल किया गया है। इसमें अमीर खुसरों के काव्य से नजीर अकबराबादी के काव्य तक कुल 12 इकाइयाँ हैं। यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। संपूर्ण पाठ्यक्रम इस प्रकार है :

- अमीर खुसरो का काव्य
- विद्यापति का काव्य
- कबीर का काव्य
- जायसी का काव्य
- सूरदास का काव्य
- तुलसीदास का काव्य
- रहीम का काव्य
- मीराबाई का काव्य
- बिहारी का काव्य
- घनानंद का काव्य
- रसखान का काव्य
- नज़ीर अकबराबादी का काव्य'

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) (BHDC 104) 6 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम में भारतेंदु युग से लेकर छायावाद युग तक की हिंदी कविता को शामिल किया गया है। यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में अधिकतम 18 इकाइयाँ होंगी। इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित कवियों की चुनी हुई कविताओं का अध्ययन कराया जाएगा :

- भारतेंदु युगीन कविता : स्वरूप और विकास
- भारतेंदु और उनकी कविता
- द्विवेदी युगीन हिंदी काव्य : स्वरूप और विकास
- अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' और उनकी कविता
- मैथिलीशरण गुप्त
- रामनरेश त्रिपाठी
- छायावाद : स्वरूप और विकास
- जयशंकर प्रसाद
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला
- सुमित्रानंदन पंत
- महादेवी वर्मा
- काव्य वाचन और विश्लेषण : भारतेन्दु हरिश्चंद्र और अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- काव्य वाचन और विश्लेषण : मैथिली शरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी
- काव्य वाचन और विश्लेषण : जयशंकर प्रसाद
- काव्य वाचन एवं विश्लेषण : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- काव्य वाचन एवं विश्लेषण : सुमित्रानंदन पंत
- काव्य वाचन एवं विश्लेषण : महादेवी वर्मा

छायावादोत्तर हिंदी कविता (BHDC 105) 6 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम में छायावाद के बाद की हिंदी कविताओं को शामिल किया गया है। यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में अधिकतम 18 इकाइयाँ होंगी। इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित कवियों की चुनी हुई कविताओं का अध्ययन कराया जाएगाः

- केदारनाथ अग्रवाल
- नागार्जुन
- रामधारी सिंह 'दिनकर'
- माखनलाल चतुर्वेदी
- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- भवानी प्रसाद मिश्र
- रघुवीर सहाय

- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
- केदारनाथ सिंह

भारतीय काव्यशास्त्र (BHDC 106) **6 क्रेडिट**

इस पाठ्यक्रम में भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न पक्षों को शामिल किया गया है। यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। संपूर्ण पाठ्यक्रम इस प्रकार है :

भारतीय काव्यशास्त्र : एक परिचय; हिंदी काव्यशास्त्र का विकास : संदर्भ रीति काल; हिंदी काव्यशास्त्र का विकास : संदर्भ–आधुनिक काल; काव्य लक्षण; काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन; रस सिद्धांत : अवधारणा, आयाम एवं विकास; रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण; अलंकार संप्रदाय : स्वरूप एवं आयाम; काव्यालंकार – स्वरूप एवं प्रकार; रीति संप्रदाय : अवधारणा एवं आयाम; ध्वनि संप्रदाय : अवधारणा एवं प्रकार; वक्रोक्ति संप्रदाय : स्वरूप और परिधि; औचित्य संप्रदाय : अवधारणा एवं स्वरूप; छंद : स्वरूप और प्रकार।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र (BHDC 107) **6 क्रेडिट**

इस पाठ्यक्रम में पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न पक्षों को शामिल किया गया है। यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। संपूर्ण पाठ्यक्रम इस प्रकार है :

प्लेटो का काव्य चिंतन; अरस्तू का साहित्य सिद्धांत; लांजाइनस : उदात्त की अवधारणा; वर्ड्सवर्थ : काव्य भाषा की अवधारणा; कॉलरिज का काव्य चिंतन; क्रोचे : अभिव्यंजनावाद; टी.एस.इलियट : परंपरा, निर्वैयक्तिकता एवं वस्तुनिष्ठ सह–संयोजन; आई.ए. रिचर्ड्स : मूल्य, संप्रेषण एवं समतुल्यता; शास्त्रीयतावाद एवं नव–शास्त्रीयतावाद; नई समीक्षा; मार्क्सवादी समीक्षा; यथार्थवाद, अति यथार्थवाद एवं जादुई यथार्थवाद; आधुनिकता और उत्तर–आधुनिकता; शैलीविज्ञान; संकल्पनाएँ : स्वच्छंदतावाद, संरचनावाद, मनोविश्लेषणवाद, औपनिवेशिकता।

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा (BHDC 108) **6 क्रेडिट**

यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। इसमें भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा का अध्ययन कराया जाएगा। इसके अंतर्गत भाषा तथा भाषा विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, स्वनिम विज्ञान, रूपिम विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान का परिचय दिया जाएगा। अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताओं का परिचय देने के साथ–साथ हिंदी के विविध रूपों की जानकारी दी जाएगी। देवनागरी लिपि के मानकीकरण, देवनागरी लिपि की विशेषताओं तथा विशेषताओं तथा लिपि में सुधार के प्रयासों से परिचित कराया जाएगा।

हिंदी उपन्यास (BHDC 109) **6 क्रेडिट**

यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। हिंदी उपन्यासों के अध्ययन पर आधारित इस पाठ्यक्रम में हिंदी के पाँच विशिष्ट उपन्यासों का अध्ययन कराया जाएगा। पाठ्यक्रम में हिंदी उपन्यास के उद्भव विकास और प्रमुख प्रवृतियों को भी जानकारी दी जाएगी।

- **निर्मला** (प्रेमचंद),
- **त्यागपत्र** (जैनेन्द्र कुमार),

- **मानस का हंस** (अमृतलाल नागर),
- **मृगनयनी** (वृंदावनलाल वर्मा) तथा
- **आपका बंटी** (मन्नू भंडारी)

हिंदी कहानी (BHDC 110) 6 क्रेडिट

हिंदी कहानी से संबंधित यह पाठ्यक्रम 6 केडिट का है। इस पाठ्यक्रम में हिंदी कहानी के उद्‌भव एवं विकास का अध्ययन कराया जाएगा। समय एवं परिस्थिति के अनुसार हिंदी कहानी में निरंतर बदलाव आता रहा। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम जहाँ कहानी विद्या को समझने का प्रयास करेंगे वही हिंदी कहानी में समाहित विभिन्न प्रवृत्तियों का भी अध्ययन कराया जाएगा। इस पाठ्यक्रम में हिंदी के महत्वपूर्ण एवं प्रमुख कहानीकारों की कहानियों का अध्ययन कराया जाएगा।

- **हिंदी कहानी का उद्‌भव विकास–** प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद युगीन
- **हिंदी कहानी का विकास,** नई कहानी, साठोत्तरी कहानी
- हिंदी कहानी विभिन्न प्रवृत्तियाँ
- **उसने कहा था** : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- **पूस की रात** : प्रेमचंद
- **आकाशदीप** : जयशंकर प्रसाद
- **हार की जीत** : सुदर्शन
- **पाजेब** : जैनेन्द्र कुमार
- **तीसरी कसम** : फणीश्वरनाथ 'रेणु'
- **मिस पाल** : मोहन राकेश
- **परिन्दे** : निर्मल वर्मा
- **दोपहर का भोजन** : अमरकांत
- **सिक्का बदल गया** : कृष्णा सोबती
- **पिता** : ज्ञानरंजन
- **षड्‌यंत्र** : विपिन बिहारी

हिंदी नाटक एवम एकांकी (BHDC 111) 6 क्रेडिट

यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में हिंदी के विशिष्ट रचनाकारों के लगभग चार नाटकों और चार एकांकी का अध्ययन कराया जाएगा :

नाटक

- अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चन्द्र
- स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद

- माधवी : भीष्म साहनी

एकांकी

- और वह जा न सकी : विष्णु प्रभाकर
- भोर का तारा : जगदीशचंद्र माथुर
- दीपदान : रामकुमार वर्मा

इसके साथ ही पाठ्यक्रम में नाटक तथा एकांकी के इतिहास, विकास तथा विशेषताओं का परिचय भी दिया जाएगा।

हिंदी निबंध और अन्य गद्य विद्याएँ (BHDC 112) 6 क्रेडिट

यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में हिंदी निबंध विद्या के साथ गद्य की अन्य महत्वपूर्ण विधाओं, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र आदि का अध्ययन कराया जाएगा। इस पाठ्यक्रम में हिंदी निबंध विधा की विशेषताओं का अध्ययन कराया जाएगा। पाठ्यक्रम में गद्य की अन्य विद्याओं के प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं का अध्ययन कराया जाएगा।

- सरदार पूर्ण सिंह – मजदूरी और प्रेम
- रामचन्द्र शुक्ल – करुणा
- हजारीप्रसाद द्विवेदी – देवदारू
- विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- शिवपूजन सहाय – महाकवि जयशंकर प्रसाद
- रामवृक्ष बेनीपुरी – रजिया– रेखाचित्र
- विवेकी राय – यह आम रास्ता नहीं है
- माखनलाल चतुर्वेदी – तुम्हारी स्मृति
- विष्णुकांत शास्त्री – ये हैं प्रोफेसर शशांक
- महादेवी वर्मा – गिल्लू

हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता (BHDC 113) 6 क्रेडिट

पाठ्यक्रम में हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता का अध्ययन कराया जाएगा। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता के उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे। यह 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित बिंदुओं का अध्ययन कराया जाएगा :

साहित्यिक पत्रकारिताः अर्थ, अवधारणा और महत्व; भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिताः द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता ,प्रेमचंद और छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता, स्वातंत्र्योतर साहित्यिक पत्रकारिता और समकालीन साहित्यिक पत्रकारिताः परिचय और प्रवृत्तियाँ। सरस्वती, चांद, सारिका, दिनमान, साप्ताहिक हिंदुस्तान, धर्मयुग, पहल, तद्भव हंस आदि साहित्यिक पत्रिकाएँ, साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की

भूमिका, **महत्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएँः** बनारस अखबार, भारत मित्र, हिंदी प्रदीप, हिन्दोस्थान, आज, स्वदेश, प्रताप,कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।

प्रयोजनमूलक हिंदी (BHDC 114) 6 क्रेडिट

हिंदी की भाषिक व्यवस्था और उसका मानक रूप : मौखिक और लिखित भाषा का स्वरूप, लिपि–वर्तनी का मानक रूप, शब्द–संपदा और उसका मानकीकरण, आधारभूत वाक्य संरचना भाषिक प्रयोग तथा इनके मानक रूप, हिंदी : मानकीकरण और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया, प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप : सामान्य हिंदी, साहित्यिक हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्तियाँ और व्यवहार क्षेत्र, वाक्य–संरचना, पारिभाषिक शब्दावली, कार्यालय हिंदी–1 : संविधान में हिंदी और राजभाषा अधिनियम, राजभाषाः स्वरूप एवं कार्यान्वयन, कार्यालयी हिंदी की भाषिक प्रकृति, प्रशासनिक शब्दावली एवं अभिव्यक्ति, कार्यालय हिंदी–2 : प्रशासनिक पत्राचार के विविध रूप, टिप्पणी–लेखन, मसौदा–लेखन, बैठकें और प्रतिवेदन, संक्षेपण सार लेखन, वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा–रूप : वैज्ञानिक एवं तकनीकी हिंदी की प्रयुक्ति, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली, पर्याय निर्धारण, शब्द निर्माण एवं प्रयोग, वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेखन।

2. विषय विनिर्दिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य (BHDE 141) 6 क्रेडिट

भारतीय समाज मूलतः जाति और धर्म पर आधारित है। समाज में जाति के आधार पर जो विभाजन किया गया उस पर धर्म ने मुहर लगाने का काम किया। इस जाति व्यवस्था के कारण समाज का वंचित वर्ग और समाज का आधा हिस्सा यानि स्त्री जाति सबसे अधिक प्रभवित एवं प्रताड़ित रही है। संवैधानिक अधिकार के तहत समाज के इन दोनो तबको में जो जागृति आई उसका सीधा प्रभाव साहित्य पर पड़ा या यो कहिए दोनों वर्ग ने साहित्य के माध्यम से समाज में जो हलचल पैदा की वही विमर्श के रूप में हमारे सामने हैं। इस पाठ्यक्रम में हम इस साहित्य की वैचारिकी का अध्यापन कराएँगें और इस साहित्य की समझ पर चर्चा करेंगे।

- **विमर्शों की सैद्धांतिकीः**

  (क) दलित विमर्शः अवधारणा और आंदोलन, फुले, अम्बेडकर, लोहिया आदि

  (ख) स्त्री विमर्शः अवधारणा और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)

  (ग) आदिवासी विमर्शः अवधारणा और आंदोलन

- **विमर्शमूलक कथा साहित्यः**
  1. ओमप्रकाश बाल्मीकि – **सलाम**
  2. हरिराम मीणा– **धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या : 158– 167**
  3. सुमित्रा कुमारी सिन्हा– **व्यक्तित्व की भूख**

- **विमर्शमूलक कविता :**

  (क) दलित कविताः अछूतानंद (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे), माता प्रसाद **(सोनवा का पिंजरा)** कुसम वियोगी – **(श्रम की रेखाएँ)**

  (ख)स्त्री कविताः 1. कीर्ति चौधरीः **(सीमा रेखा)** 2 कात्यायनीः **सात भाइयों के बीच चम्पा,** 3. अनामिका **'बेजगह,'** निर्मला पतुल की **'उतनी दूर मत ब्याहना बाबा'**

- **विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँः**
  1. प्रभा खेतान : **अन्या से अनन्या, पृष्ठ 28–42 तक**
  2. तुलसीदास : **मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ, पृष्ठ संख्या 125 से 135)**
  3. महादेवी वर्मा : **स्त्री के अर्थ स्वातंत्रय का प्रश्न**
  4. डॉ. धर्मवीर : **अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर**

राष्ट्रीय काव्यधारा (BHDE 142) 6 क्रेडिट

यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी की 'राष्ट्रीय काव्यधारा' से परिचित कराना है। इस पाठ्यक्रम में संकलित कवियों के विशेष महत्व को भी रेखांकित किया जाएगा। इसमें अधिकतम 18 इकाइयाँ होंगी। इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित कवियों की चुनी हुई कविताओं का अध्ययन कराया जाएगा :

- मैथिलीशरण गुप्त
- माखनलाल चतुर्वेदी
- सुभद्रा कुमारी चौहान
- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- रामधारी सिंह 'दिनकर'
- श्यामनारायण पाण्डेय

प्रेमचंद (BHDE 143) 6 क्रेडिट

यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। इसमें हिंदी उपन्यास साहित्य के विशिष्ट रचनाकार प्रेमचंद की रचनाओं का अध्ययन कराया जाएगा। इसमें प्रेमचंद के एक उपन्यास, पाँच कहानियों, नाटक तथा प्रेमचंद द्वारा रचित किसी एक निबंध का अध्ययन किया जाएगा :

- **उपन्यास** – सेवासदन
- **नाटक** – कर्बला
- **निबंध** – साहित्य का उद्देश्य
- **कहानियाँ** – 1) पूस की रात, 2) शतरंज के खिलाड़ी 3) पंच परमेश्वर 4) दरगाह 5) दो बैलों की कथा।

छायावाद (BHDE 144) **6 क्रेडिट**

यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी की 'छायावादी कविताओं' से परिचित कराना है। इस पाठ्यक्रम में संकलित कवियों के विशेष महत्व को भी रेखांकित किया जाएगा। इसमें अधिकतम 18 इकाइयाँ होंगी। इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित कवियों की चुनी हुई कविताओं का अध्ययन कराया जाएगा :

- जयशंकर प्रसाद
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- सुमित्रानंदन पंत
- महादेवी वर्मा

3. योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम

पर्यावरण अध्ययन (BEVAE-181) **4 क्रेडिट**

हमारा पर्यावरण : पर्यावरण की अवधारणा, पर्यावरण के विभिन्न घटक और उनके संबंध, मानव–पर्यावरण संबंध, संपोषणीयता और सतत विकास की संकल्पना, पर्यावरणीय अध्ययन की बहुविषयी प्रकृति, विस्तार और महत्व।

पारिस्थितिक तंत्र : पारिस्थितिक तंत्र क्या है ? पारिस्थितिक तंत्र की परिभाषा, पर्यावरण के तत्व–उत्पादक, उपभोक्ता, अपघटक; पारिस्थितिक तंत्र के कार्य और निर्माण, पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा प्रवाह, पोषी स्तर, आहार श्रृंखला, आहार–जाल, पारिस्थितिक पिरामिड और पारिस्थितिक अनुक्रम।

प्रमुख पारितंत्र : वन पारितंत्र, घास–स्थल पारितंत्र, मरुस्थल पारितंत्र और जलीय पारितंत्र : केस स्टडीज।

थल एवं जल संसाधन : नवीकरणीय और अनवीकरणीय संसाधन, संसाधन के रूप में भूमि, भूमि–उपयोग परिवर्तन, भूमि निम्नीकरण, मृदा अपरदन और मरुस्थलीकरण, भूमि संसाधन का संरक्षण और प्रबंधन, कैस स्टडीज। संसाधन के या में में जल, सतह और भूजल का अति दोहन, बाढ़ और सूखा अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय जल विवाद, जल संसाधन का संरक्षण और प्रबंधन : केस स्टडीज।

वन संसाधन : वन एक संसाधन के रूप में, वन अपरुपण और उसके कारण; खनन कार्य और बांध निर्माण का पर्यावरण, वन और जैव विविधता पर प्रभाव, जनजातीय जनसंख्या पर प्रभाव वन संसाधनों का संरक्षण और प्रबंधन केस स्टडीज।

जैव विविधता : मूल्य और सेवाएँ : जैव विविधता की परिभाषा, जैव विविधता के स्तर, आनुवंशिक विविधता, प्रजातीय विविधता, पारितंत्र विविधता, भारत के जैव– भौगोलिक क्षेत्र और इनकी जैस विविधता, वैश्विक जैव विविधता हॅट स्पॉट, भारत एक विशाल जैव विविधता वाला देश, संकटग्रस्त और भारत के स्थानीय प्रजाति, जैव विविधता सेवाएँः पारिस्थितिक, आर्थिक, सामाजिक, नैतिक और सौन्दर्यपरक सूचना मूल्य।

ऊर्जा संसाधन : परंपरागत और गैर–परंपरागत स्रोत, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के उपयोग, ऊर्जा जरूरतों की मांग, ऊर्जा संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन : केस स्टडीज।

जैव विविधता : खतरे और संरक्षण : जैव विविधता : खतर और संरक्षण जैव विविधता के खतरे; अधिवास की हानि, वन्य जीवों का अवैध शिकार, भारत के संदर्भ में मनुष्य–वन्यजीव संघर्ष, जैविक आक्रमण, यथास्थल और बहिःस्थल संरक्षण।

पर्यावरणीय प्रदूषण और संकट : परिभाषा, प्रकार, कारण, प्रभाव और उसके नियंत्रण : वायु, जल, मृदा और ध्वनि प्रदूषण, नाभिकीय संकट, संकट और प्रदूषण, मानव स्वास्थ्य संकट : केस स्टडीज।

अपशिष्ट प्रबंधन : ठोस अपशिष्ट प्रबंधन : औद्योगिक और शहरी अपशिष्ट माप के कारण : केस स्टडीज।

वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दे : भूमंडलीय तापन, जलवायु परिवर्तन, ओजोन परत ह्रासन, अम्ल वर्षा और उसके प्रभाव।

पर्यावरण नियमावली : पर्यावरण रक्षा अधिनियम, वायु (प्रदूषण के बचाव और नियंत्रण) अधिनियम; जल (प्रदूषण के बचाव और नियंत्रण) अधिनियम, वन्य जीवन अधिनियम, वन संरक्षण अधिनियम, अंतर्राष्ट्रीय समझौते, मांट्रियल प्रोटोकॉल, जैविक विविधता पर सम्मेलन।

मानव समुदाय और पर्यावरण : मानव जनसंख्या वृद्धि : पर्यावरण मानव स्वास्थ्य और कल्याण पर इसका प्रभाव, पुनर्वास परियोजना से प्रभावित लोगों पर केस स्टडीज, आपदा प्रबंधन; प्राकृतिक आपदाएँ; बाढ़, भूकंप, चक्रवात और भूस्खलन।

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र : पर्यावरण संरक्षण में धार्मिक और संसकृति में भारतीयों की भूमिका, पर्यावरणीय संप्रेषण और आमजन जागरूकता, केस स्टडीज।

हिन्दी भाषा और संप्रेषण (BHDAE182) 4 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा और संप्रेषण से संबंधित बिंदुओं का अध्ययन कराया जाएगा। यह पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में अधिकतम 15 इकाइयाँ होंगी। इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा और संप्रेषण से संबंधित निम्नलिखित बिंदुओं को शामिल किया गया है।

हिन्दी भाषा का विकास, भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप; **हिंदी भाषा की विशेषताएँ :** क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवं अव्यय संबंधी। **हिंदी की वर्ण–व्यवस्था :** स्वर एवं व्यंजन। स्वर के प्रकार –ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त। व्यंजन के प्रकार–स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष। **वर्गों का उच्चरण स्थान :** कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य। बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि। **भाषा संप्रेषण के चरण :** श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन। हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपांतर

4. कौशल संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम

पर्यटन मानवविज्ञान (BANS 183) 4 क्रेडिट

औद्योगिक क्षेत्र में आजकल पर्यटन को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है। आदिकाल से ही मानव अपनी सहज जिज्ञासा के साथ यह जानने की उत्कंठा में रहा है कि उनके निकटवर्ती क्षितिज और दूर के स्थानों पर क्या है। पर्यटन एक प्रकार यात्रा करने और तलाश करने की आंतरिक मानवीय इच्छा से जुड़ा है। हर इंसान, एक समय पर एक पर्यटक के रूप में दिखाई देता है, चाहे वह छोटी छुट्टी पर जा हो या तीर्थयात्रा पर । पर्यटन न केवल उन लोगों के जीवन को प्रभावित करता है जो एक पर्यटक के रूप में स्थानों का दौरा करते हैं बल्कि यह मेजबान समुदाय और उनके सामाजिक–आर्थिक जीवन प्राकृतिक वातावरण, कलात्मक प्रस्तुतियों को भी प्रभावित करता है। इस प्रकार, मानव विज्ञान पर्यटन के साथ जटिल रूप से जुड़ा हुआ है।

चार क्रेडिट के इस पाठयक्रम में हम पर्यटन और पर्यटकों के मानवविज्ञान को समझने की कोशिश करेंगे। यह पाठ्यक्रम मानवविज्ञान दृष्टि के माध्यम से पर्यटन के विकास और पर्यटन के कारण संस्कृति के होने वाले आधुनिकीकरण को समझने की दृष्टि प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में मूर्त–अमूर्त धरोहरों और पर्यटन मानवविज्ञान के क्षेत्र में नए उभरते क्षेत्रों भी को ध्यान में रखा गया है।

पाठ्यक्रम की आवश्यकताः किसी भी विषय में सीबीसीएस बी.एससी/बीए कार्यक्रम में नामांकित शिक्षार्थी तीसरे सेमेस्टर में इस पाठ्यक्रम का विकल्प चुन सकते हैं। पाठ्यक्रम के लिए एक शिक्षार्थी को पर्यटन और लोगों के जीवन और संस्कृति में गहरी रुचि रखने की अपेक्षा की जाती है।

खंड –१: पर्यटन की समझ

इकाई १: पर्यटन का परिचय

इकाई –२: पर्यटक और पर्यटन

इकाई ३: मानववैज्ञानिक दृष्टि से पर्यटन

इकाई –४: पर्यटन और संस्कृति

इकाई– ५: संस्कृति का उत्पादन

खंड –२: मानव विज्ञान और पर्यटन में उभरते ट्रेंड्स

इकाई ६: पर्यटन की राजनीतिक अर्थव्यवस्था

इकाई ७: पर्यटन बनाम विरासत स्थल

इकाई ८: मूर्त और अमूर्त विरासत

इकाई ९: ईकोटूरिज्म

इकाई १०: पर्यटन मानव विज्ञान की नई दिशाएं

तनाव प्रबंधन (बीपीसीएस 186) 4 क्रेडिट

यह कोर्स एक कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम है और चौथे समेस्टर का भाग है। यह पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को तनाव की अवधारणा, प्रकृति और अभिव्यक्ति को समझने मे मदद करेगा। इसके अलावा, यह तनाव के प्रबधंन की विभिन्न रणनीतियों से परिचित कराएगा। इस पाठ्यक्रम का सारांश तनाव की अवधारणा इसके स्रोतों और प्रभाव पर ध्यान केन्द्रित करेगा। इसके अलावा, यह विभिन्न तनाव प्रबंधन तकनीकों से भी अवगत कराएगा।

5. सामान्य ऐच्छिक

भारतीय समाज : प्रतिरूप और वास्तविकताएँ (BSOG 171) 6 क्रेडिट

इस पाठ्यक्रम भारतीय समाज के अंतः विषय का परिचय प्रदान करने का प्रयास करता है।

खंड 1 भारत के विचार

इकाई 1 सभ्यता और संस्कृति
इकाई 2 बस्ती के रूप में भारत/ कालोनी के रूप में भारत
इकाई 3 राष्ट्र, राज्य और समाज

खंड 2 संस्थान और प्रक्रियाए

इकाई 4 भारतीय गांव
इकाई 5 भारतीय नगर
इकाई 6 भाषा और धर्म
इकाई 7 जाति और वर्ग
इकाई 8 जनजाति और जातीयता
इकाई 9 परिवार, विवाह
इकाई 10 रिश्तेदारी

खंड 3 आलोचना

इकाई 11 वर्ग, शक्ति और असमानता
इकाई 12 प्रतिरोध और विरोध

जेंडर संवेदनशीलता : समाज और संस्कृति (BGDG-172) 6 क्रेडिट

महिला एवं जेंडर अध्ययन और जेंडर एवं विकास अध्ययन के विषय/क्षेत्र, समकालीन दौर के सर्वाधिक बहुचर्चित विषय हैं। इस विषय का संबंध ऐसे समाज और संस्कृति से है जो प्राचीन से लेकर समकालीन समय तक के लैंगिक संवादों का निर्धारण करते हैं। नारीवादी संस्कृति और समाज के मिलन बिंदुओं की जेंडरपरक लैंसों से महत्वपूर्ण जाँच की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हैं। इसी राह पर आगे नारावादियों ने अपने आलोचनात्मक दृष्टिकोण के जरिये यह दर्शया है कि पितृतंत्र कैसे संस्कृति और समाज पर अपनी पकड़ बनाए रखता है और जेंडरपरक भूमिकाओं, समाजीकरण आदि के जरिए अपना अस्तित्व कायम रखता है। नारीवादियों का यह भी मानना है कि लिंग/जेंडर/लोक/निजी विभाजन पर टिके लैंगिक विचारों को

आलोचनात्मक तरीके से देखना आवश्यक है। सभ्य समाज जैसे–जैसे तरक्की की राह पर आगे बढ़ता है। वैसे–वैसे समाज और संस्कृति में भी बदलाव नज़र आने लगता है। इस प्रगति को सूचकों और लक्ष्यों के माध्यम से आंका जा सकता है। राज्य, सामाजिक आर्थिक क्षेत्रों में प्रगति की मंशा से अनेकों नीतियों को सूत्रबद्ध एवं लागू करता है। जब राज्य अपने संसाधनों की जटिलताओं से निपटता है तो कानून, मीडिया, श्रम आदि बहुत सी श्रेणियों भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उदाहरण के तौर पर मौजूदा समय में हम महिलाओं, अन्य लैंगिक श्रेणियों और सभी उत्पीड़ित एवं सीमांती समूहों के प्रतिभारी हिंसा, भेदभाव और अधीनता के प्रतिदिन बढ़ते अनगिनत मामलें देखते हैं।

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद आप :

- हमारे समाज में महिलाओं की स्थिति एवं दशा को बेहतर तरीके से समझाने के योग्य बन सकेंगे।
- (कानून, मीडिया, कामकाज और स्वास्थ आदि) जैसी श्रेणियों और जेंडर पर टिके बहस के बुनियादी विषयों से जुड़े मूलभूत प्रश्न उठाने के योग्य बन सकेंगे, और
- समाज और संस्कृति में निहित इसकी भूमिका पर प्रश्न चिह्न लगाने के योग्य बन सकेंगे, और
- जेंडर मुद्दों पर समाज को संवेदनशील बनाने के तरीकों एवं साधनों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम संरचना

खंड 1 जेंडर : संकल्पना
इकाई 1 जेंडर एवं संबद्ध संकल्पनाओं का ज्ञान
इकाई 2 जेंडर एवं लैंगिकताएँ
इकाई 3 पौरुष
इकाई 4 प्रतिदिन जीवन मेंजेंडर
खंड 2 जेंडर एवं परिवार
इकाई 5 परिवार एवं विवाह
इकाई 6 मातृत्व
खंड 3 जेंडर एवं कामकाज
इकाई 7 कामकाजों का जेंडरीकरण
इकाई 8 कार्य एवं श्रम बाजार में जेंडर के मुद्दे
खंड 4 स्वास्थ एवं जेंडर
इकाई 9 जनस्वास्थ्य एवं अधिकार
इकाई 10 जेंडर एवं दिव्यांगता
खंड 5 जेंडर, कानून एवं समाज
इकाई 11 जेंडर आधारित हिंसा
इकाई 12 कार्यस्थल में यौन उत्पीड़न
खंड 6 जेंडर, प्रस्तुति एवं मीडिया
इकाई 13 भाषा एवं जेंडर
इकाई 14 जेंडर एवं मीडिया
इकाई 15 जेंडर, पठन–पाठन एवं कल्पना

विकास पर पुनः विचार (BSOG 173) 6 क्रेडिट

यह दस्तावेज समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से विकास के विचारों की जांच करता हैं, यह छात्रों को विकास को समझने के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों का परिचय देता हैं और अतः विषय दृष्टिकोण से विकास के साथ भारतीय अनुभव के प्रक्षेप पथ का पता लगाना है।

खंड 1 विकास को खोलना
इकाई 1 विकास को समझना
इकाई 2 कारक और विकास के साधन
इकाई 3 विकसित, विकासशील और अविकसित

खंड 2 सैद्वांतिक विकास

इकाई 4 आधुनिकीकरण, शहरीकरण और औद्ययोगिकीकरण
इकाई 5 विकास पर परिप्रेक्ष्य
इकाई 6 विश्व प्रणाली सिद्वांत
इकाई 7 मानव और सामाजिक परिप्रेक्ष्य
इकाई 8 पर्यावरण परिप्रेक्ष्य
इकाई 9 नारीवाद परिप्रेक्ष्य

खंड 3 भारत मे विकास के नियम

इकाई 10 पूंजीवाद, समाजवाद और मिश्रित अर्थव्यवस्था
इकाई 11 स्वंतंत्रता के रूप में विकास

खंड 4 विकासक्रम के मुद्दे

इकाई 12 विकास, प्रवासन और विस्थापन
इकाई 13 आजीविका और स्थिरता
इकाई 14 साधारण जनसमुदाय उपक्रम

मनोविज्ञान एवं मीडिया (BPCG 174) 6 क्रेडिट

यह एक ऐच्छिक पाठ्यक्रम है और चौथे सेमेस्टर का भाग है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थी को मानव संज्ञान एवं व्यवहार पर मीडिया के प्रभाव से अवगत कराना है। इस पाठ्यक्रम में मीडिया मनोविज्ञान में शोध, मानव एवं वर्चूयल के बीच की अंतक्रिया की जानकारी दी जाएगी।